website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 108 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 28 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव नहीं, जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक: बागडे

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में नई शुरुआत का प्रतीक है। राज्यपाल बुधवार को हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे।राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्होंने गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा पूर्ण होने के बाद शिष्यों को सत्य, धर्म और विनम्रता का पालन करने की सीख दी जाती थी।समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बागडे ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्राप्त ज्ञान का अहंकार न करते हुए समाज के कल्याण के लिए उसका उपयोग करें।दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 एवं 2025 में अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले कुल 271 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इनमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर के 269 विद्यार्थी तथा 2 शोधार्थी शामिल हैं, जिन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया, जबकि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कुल 35 विद्यार्थियों को वरीयता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करने का भी क्षण है। उन्होंने कहा कि यह जीवन का वह मोड़ है जहां से नई दिशा और जिम्मेदारी शुरू होती है। उन्होंने 1975 में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाया गया, लेकिन सशक्त पत्रकारिता ने सत्य की रक्षा की।

कांग्रेस नेतृत्व केरल में अगले मुख्यमंत्री का फैसला करेगा : चेन्निथला

अलप्पुझा (केरल), (भाषा)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने कहा है कि केरल में कांग्रेस के पास राज्य का नेतृत्व करने में सक्षम कई नेता हैं और यही पार्टी की ताकत है, जबकि सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के पास मुख्यमंत्री पद के लिए केवल पिनराई विजयन का ही चेहरा है। चेन्निथला ने पीटीआई वीडियो सेवा को दिए एक साक्षात्कार के दौरान इस बात से इनकार नहीं किया कि वह मुख्यमंत्री पद के एक दावेदार हैं, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस की पहली प्राथमिकता विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करना है और जीत के बाद पार्टी नेतृत्व यह तय करेगा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि पार्टी बिना मुख्यमंत्री पद के चेहरे के चुनाव क्यों लड़ रही है, कांग्रेस की कार्यकारी समिति के सदस्य ने कहा, हम किसी को भी मुख्यमंत्री के रूप में पेश नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के साथ हाल ही में हुई बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा की थी। अपने निर्वाचन क्षेत्र हरिपाद में चुनाव प्रचार करते हुए चेन्निथला ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) और राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्राथमिकता चुनाव जीतना है, और मुख्यमंत्री पद का फैसला बाद में किया जाएगा। जब चेन्निथला से पूछा गया कि क्या वह केरल के मुख्यमंत्री पद का दावेदार बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो उन्होंने कहा, यह उम्मीदवारों की आकांक्षा का सवाल नहीं है। हमारे पास एक दर्जन नेता हैं जो राज्य का नेतृत्व करने में सक्षम हैं। यही कांग्रेस पार्टी की ताकत है। उन्होंने कहा कि माकपा के पास केवल एक ही चेहरा है- पिनराई विजयन, जबकि कांग्रेस के पास ऐसे कई नेता हैं जो मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन उन्हें संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन देंगे, तो चेन्निथला ने कहा, हम इस मुद्दे पर बिल्कुल भी चर्चा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि पार्टी आलाकमान इसपर फैसला लेगा।

आज मतदान का अधिकार छीना जा रहा है अगली बार वे नागरिकता भी छीन लेंगे

ममता बनर्जी

मैनागुड़ी (पश्चिम बंगाल), (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर बुधवार को तीखा हमला करते हुए उनपर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने यह चेतावनी दी कि उनका अगला कदम राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के जरिए नागरिकता छीनने का प्रयास हो सकता है। बनर्जी ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान की शुरुआत राजनीतिक रूप से अहम उत्तर बंगाल से करते हुए यह टिप्पणी की। उत्तर बंगाल एक ऐसा क्षेत्र है जो 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ बनकर उभरा है। जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से संवैधानिक संस्थानों का उपयोग लोगों के मतदान के अधिकारों को छीनने के लिए किया जा रहा है। बनर्जी ने चुनाव से पहले अपनी पहली बड़ी चुनावी रैली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, निर्वाचन आयोग, भाजपा और केंद्र सरकार संविधान का पालन नहीं कर रहे और मतदान के अधिकार छीनने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमें मध्यरात्रि को आजादी मिली थी और हमें इस पर गर्व है, लेकिन आज वे आजादी को भूल गए हैं। वे संविधान या लोकतंत्र का पालन नहीं कर रहे हैं। वे लोगों के मतदान के अधिकार छीन रहे हैं। उन्होंने कहा, आज वे मतदान के अधिकार छीन रहे हैंअ कल वे एनआरसी लाकर नागरिकता छीन लेंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण से राजबंशी और महिलाओं के साथ-साथ कई समुदाय प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण समर्थन आधार बनाने वाली महिला मतदाताओं को लामबंद करने का प्रयास करते हुए कहा, राजबंशियों के नाम एसआईआर के जरिए हटा दिए गए हैं। महिलाओं के नाम भी हटाए जा रहे हैं। एक महिला का नाम हटाना, पूरे महिला वर्ग का नाम हटाने के समान है। बनर्जी ने दावा किया कि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया ने पहले ही लोगों के बीच परेशानी पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, नवंबर में अभियान शुरू होने के बाद से बंगाल में एसआईआर के कारण 220 लोगों की मौत हो चुकी है।

न्यायालय ने वंदे मातरम् पर गृह मंत्रालय के परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

नई दिल्ली,(भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन से संबंधित गृह मंत्रालय के एक परिपत्र के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से बुधवार को इनकार करते हुए कहा कि यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने मोहम्मद सईद नूरी द्वारा दायर याचिका को समय से पहले दायर की गई याचिका बताया और इसे भेदभाव की अस्पष्ट आशंका पर आधारित करार दिया। नूरी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि वे देश के हर धर्म का सम्मान करते हैं, लेकिन अगर लोगों को उनके धर्म और आस्था की परवाह किए बिना यह गीत गाने के लिए बाध्य किया जाता है तो कुछ लोगों को यह निष्ठा के सामाजिक प्रदर्शन में भाग लेने की मजबूरी लग सकती है। न्यायमूर्ति बागची ने पूछा कि क्या परिपत्र में राष्ट्रगीत नहीं गाने पर किसी दंडात्मक परिणाम का उल्लेख है या क्या किसी व्यक्ति को इसे नहीं गाने के कारण सभा से निकाला गया है। हेगड़े ने कहा, व्यवधान डालने की स्थिति में दंड का प्रावधान है।... भले ही कोई कानूनी दंड न हो लेकिन जो कोई इसे गाने या इसके गायन के दौरान खड़ा होने से इनकार करता है, उस पर हमेशा अत्यधिक दबाव होता है। क्या लोगों को परामर्श की आड़ में यह गीत गाने के लिए बाध्य किया जा सकता है? प्रधान न्यायाधीश ने हेगड़े से सवाल किया कि क्या याचिकाकर्ता को किसी को राष्ट्रगीत गाने के लिए बाध्य करने संबंधी कोई नोटिस भेजा गया है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, केंद्र सरकार के निर्देश के खंड पांच में किया जा सकता है कहा गया है। यह स्वतंत्रता जितनी राष्ट्रगीत गाने की है, उतनी ही उसे नहीं गाने की भी है। इसी वजह से यह कानूनी अधिकारों का उल्लंघन नहीं करती। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि यदि कोई दंडात्मक कार्वाई होती है या उसे कोई नोटिस दिया जाता है, तो वह अदालत का रुख कर सकता है। पीठ ने कहा कि फिलहाल यह याचिका भेदभाव की अस्पष्ट आशंका से अधिक कुछ नहीं है।

मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं : गोविंद सिंह

भोपाल, (भाषा)। मध्यप्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को कहा कि राज्य में पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए।उन्होंने कहा, पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। डिपो से उनकी निरंतर आपूर्ति हो रही है। लोग घबराकर खरीदारी या भंडारण न करें। मंत्री ने बताया कि अफवाहों के कारण कुछ जिलों में पेट्रोल पंप पर कतारें देखी गई।राजपूत ने कहा कि तेल कंपनियों ने जानकारी दी है कि राज्य में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार है और उनकी कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है।उन्होंने बताया कि भोपाल में स्थित राज्य नियंत्रण कक्ष और प्रशासन स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने भी बुधवार को कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोग सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें।

कांग्रेस को अकबर रोड, रायसीना रोड स्थित कार्यालयों को खाली करने का नोटिस मिला: सूत्र

नई दिल्ली, (भाषा)। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कांग्रेस को अकबर रोड और रायसीना रोड स्थित कार्यालयों को खाली करने का नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय के संपदा विभाग ने 24 अकबर रोड और 5 रायसीना रोड स्थित कार्यालयों को 28 मार्च तक खाली करने का नोटिस दिया है। कांग्रेस का मुख्यालय 1978 से 24 अकबर रोड पर था, लेकिन अब यह 9ए कोटला मार्ग स्थानांरित हो चुका है। पार्टी अकबर रोड स्थित अपने पुराने मुख्यालय का इस्तेमाल एक कार्यालय के रूप में कर रही है। कांग्रेस के दो अग्रिम संगठनों भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई का मुख्यालय 5 रायसीना रोड पर है।

तृणमूल ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन समुदाय के लिए कुछ नहीं किया : ओवैसी

कोलकाता, (भाषा)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम वोट तो हासिल कर लिए लेकिन समुदाय के लिए कुछ नहीं किया। ओवैसी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीति ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उभरने में मदद की। ओवैसी ने कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ हाथ मिलाया है ताकि जनता को वह विकल्प प्रदान किया जा सके जिसकी उन्हें तलाश है। उन्होंने सवालिया अंदाज में कहा, लगभग पांच लाख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। इनमें से कई मुस्लिम परिवारों से थे। क्या यह कोई मुद्दा नहीं है? उन्होंने कहा, यहां की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है। सरकारी नौकरियों में उनका प्रतिनिधित्व कितना है? केवल सात प्रतिशत। कितने मुस्लिम बच्चे स्कूल से बाहर हैं? कितने मुस्लिम लड़के-लड़कियां स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं? ओवैसी ने आरोप लगाया कि ए प्रयास दिखावा ही रहे और राज्य में समुदाय के लिए वास्तविक विकास में तब्दील नहीं हुए। उन्होंने पूछा, ईद के दिन नमाज अदा करने से क्या मेरा पेट भरता है? क्या इससे मेरे घर में रोशनी होती है? क्या इससे मेरे बच्चों का भविष्य सुरक्षित होता है? हैदराबाद से सांसद ने दावा किया कि बनर्जी की राजनीति ने अप्रत्यक्ष रूप से राज्य में भाजपा को अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद की है उन्होंने कहा, बंगाल में भाजपा के तीन विधायक कब जीते थे? 2016 में ना? अब उनके पास 77 विधायक हैं।

माकपा नीत एलडीएफ और भाजपा में साठगांठ : राहुल

कोझिकोड (केरल), (भाषा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच साठगांठ है। राहुल ने केंद्रीय एजेंसियों द्वारा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में कथित तौर पर कोई कार्वाई नहीं किए जाने की ओर भी इशारा किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि केरल विधानसभा चुनावों में केवल दो ही पक्ष चुनाव लड़ रहे हैं। पहला कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) है और दूसरी ओर एलडीएफ-भाजपा की साझेदारी है। विजयन के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार पर निशाना साधते हुए गांधी ने केरल में मादक पदार्थों के मुद्दे को एक बड़ी समस्या के रूप में उजागर किया। यहां कोझिकोड बीच पर यूडीएफ के एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने शबरिमला से कथित तौर पर सोने के गबन का मुद्दा भी उठाया, और दावा किया कि वहां से कीमती धातु चोरी हो गई और इस संबंध में माकपा के नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने पूछा, जो सरकार भगवान अय्यप्पा का सम्मान नहीं करती, वह केरल की जनता का सम्मान कैसे कर सकती है? गांधी ने कहा कि केरल में एलडीएफ की नीतियों को भाजपा की नीतियों से अलग नहीं किया जा सकता।

बलात्कार के मामले में आम आदमी पार्टी के विधायक पठानमाजरा गिरफ्तार

पटियाला (पंजाब),(भाषा)। बलात्कार के एक मामले में पिछले साल सितंबर से फरार आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा को पटियाला में गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सनौर से निर्वाचित और पहली बार विधायक बने पठानमाजरा पिछले साल सितंबर में दर्ज बलात्कार के मामले में वांछित थे। उन्होंने बताया कि पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यहां सिविल लाइंस थाने में पठानमाजरा के खिलाफ दुष्कर्म, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी देने के आरोप में एक सितंबर 2025 को मामला दर्ज किया था। यह मामला जीरकपुर की एक महिला की शिकायत पर दर्ज किया गया था जिसने आरोप लगाया था कि विधायक ने खुद को तलाकशुदा बताकर उसके साथ संबंध बनाए और पहले से विवाहित होने के बावजूद 2021 में उससे शादी की। महिला ने विधायक पर उसका लगातार यौन शोषण करने, उसे धमकाने और उसे अश्लील सामग्री भेजने का आरोप लगाया है। आप विधायक को इस मामले में पेश नहीं होने पर भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। पठानमाजरा बलात्कार के मामले में दो सितंबर से फरार थे। पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए जब हरियाणा के करनाल गई थी, तब वह भाग निकले थे। पुलिस ने तब दावा किया था कि वह करनाल जिले के डाबरी गांव में अपने एक रिश्तेदार के घर पर थे और जब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो विधायक के समर्थकों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की थी और पथराव किया था।

वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर का होगा भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र: रिपोर्ट

नई दिल्ली,(भाषा)। भारत का स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र वर्ष 2030 तक 700 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, लेकिन इसके लिए पैसा जुटाने की व्यवस्था अब भी बेहद बिखरी हुई और कमजोर है। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, देश में इलाज के कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा आज भी लोगों को अपनी जेब से ही भरना पड़ता है। प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस और नैटहेल्थ की संयुक्त रिपोर्ट इंडिया हेल्थ फाइनेंसिंग पोजिशन पेपर 2026 यानी भारत में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पैसा जुटाने की मौजूदा स्थिति पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय स्वास्थ्य सेवा का मूल्य लगभग 300 अरब डॉलर था, जिसके 2030 तक 700 अरब डॉलर होने का अनुमान है।रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर की बीमारियों का 20 प्रतिशत बोझ यानी हर पांचवां मरीज भारत में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य पर होने वाले कुल खर्च में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है।स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 2035 तक 200 अरब डॉलर से अधिक के निवेश की आवश्यकता है। निवेश किए गए हर 10 लाख डॉलर से 23-27 नए रोजगार पैदा होते हैं।रिपोर्ट बताती है कि भारत में इलाज के कुल खर्च का 44 प्रतिशत हिस्सा आउट-ऑफ-पॉकेट यानी अपनी जेब से दिया जाता है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। लगभग 43 करोड़ भारतीय किसी भी प्रभावी बीमा कवर से बाहर हैं।इसके मुताबिक, भारत में प्रति।,000 लोगों पर केवल 0.9 चिकित्सक और 1.6 बिस्तर उपलब्ध हैं। 2035 तक देश को 10 लाख चिकित्सकों और 14.5 लाख अतिरिक्त बिस्तर की जरूरत होगी।नैटहेल्थ की अध्यक्ष और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लि. की प्रवर्तक एवं कार्यकारी चेयरपर्सन अमीरा शाह ने कहा, बिना स्वस्थ भारत के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकत और उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की सूरत बदलने के लिए निजी व सरकारी क्षेत्र की भागीदारी यानी मिलकर काम करने पर जोर दिया।

> » दुनिया भर की बीमारियों का 20 प्रतिशत बोझ यानी हर पांचवां मरीज भारत में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य पर होने वाले कुल खर्च में भारत की हिस्सेदारी महज एक प्रतिशत है

तेजाब हमला पीड़ितों की पहचान को सुरक्षित रखने वाला विधेयक विधान परिषद में पारित

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र विधान परिषद ने बुधवार को सर्वसम्मति से भारतीय न्याय संहिता (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक 2026 पारित कर दिया।इस संशोधन के तहत शक्ति विधेयक में तेजाब हमलों की पीड़िताओं की पहचान की सुरक्षा और ऑनलाइन यौन उत्पीड़न के मामलों में कारावास सुनिश्चित करने के प्रावधान शामिल किए गए हैं। यह विधेयक पहले राज्य विधानसभा द्वारा पारित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में कहा कि शक्ति विधेयक राज्य विधानसभा द्वारा 2020 में पारित किया गया था और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए केंद्र को भेजा गया था।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने बाद में इसे वापस भेज दिया था।फडणवीस गृह विभाग के प्रमुख भी हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को सूचित किया गया था कि केंद्र सरकार तत्कालीन भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के प्रावधानों को मिलाकर एक समान कानून बना रही है।मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) जुलाई 2024 में लागू हुई। उन्होंने कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या महाराष्ट्र के संबंध में बीएनएस में संशोधन अब भी आवश्यक हैं। फडणवीस ने बताया कि एक समिति का गठन यह आकलन करने के लिए किया गया था कि प्रस्तावित शक्ति कानून के सभी प्रावधान, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है, बीएनएस में शामिल किए गए हैं या नहीं।उन्होंने बताया कि समिति के सुझाव के बाद भारतीय न्याय संहिता (महाराष्ट्र संशोधन) विधेयक 2026 में दो प्रावधान जोड़े गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण दिल्ली के छतरपुर में गोदाम में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, (भाषा)। दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके में बुधवार सुबह एक गोदाम में आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गोदाम में कपड़े और अत्यधिक ज्वलनशील सामान होने के कारण आग तेजी से फैली लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी के अनुसार, दिल्ली अग्निशमन सेवा को सुबह करीब 6:35 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की 11 गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में नाबालिग लड़के का शव मिला

नई दिल्ली, (भाषा)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में बुधवार तड़के एक पार्क में 17 वर्षीय लड़के का शव मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान जैद के तौर पर हुई है और वह इलाके का ही रहने वाला था। पुलिस को सूचना मिली थी कि पार्क में एक शव है जिसके बाद न्यू उस्मानपुर थाने की एक टीम जग प्रवेश चंद अस्पताल के पास स्थित डीडीए पार्क पहुंची और शव बरामद किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अपराध और फॉरेंसिक दलों ने मौका-ए-वारदात का मुआयना किया और सबूत जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने पर ही मौत के कारण का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 (1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है और वारदात में शामिल लोगों का पता लगाने व उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

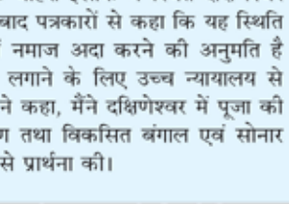

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को कहा कि उसने पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से विदेश निर्मित अत्याधुनिक हथियारों और कारतूसों का जखीरा बरामद किया है जिसमें सब-मशीन गन, ऑटोमैटिक पिस्तौल और 200 कारतूस शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इस अभियान के दौरान कुल 21 आग्नेयास्त्र जब्त किए गए, जिनमें कई देशों से लाए गए उच्च श्रेणी के स्वचालित हथियार और पिस्तौल शामिल हैं। बरामद हथियारों में चेक गणराज्य निर्मित एक सब-मशीन गन और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं द्वारा निर्मित पिस्तौलें शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जब्त हथियारों में विशेष बलों द्वारा उपयोग की जाने वाली पीएक्स-5.7 पिस्तौल, तुर्किए निर्मित स्टोएगर पिस्तौल, चीन की पीएक्स-3 पिस्तौल, चेक गणराज्य की शैडो सीजेड पिस्तौल, साथ ही इटली की बेरेटा, ब्राजील की टॉरस और जर्मनी की वाल्थर पिस्तौलें शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह मॉड्यूल एक संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो भारत में आपराधिक तत्वों को अवैध हथियारों की तस्करी और आपूर्ति में संलिप्त था। उन्होंने बताया कि आरोपी कथित तौर पर पड़ोसी देशों में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय हैंडलरों और आपूर्तिकर्ताओं के संपर्क में थे।

बंगाल में नमाज की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है: नितिन नवीन

कोलकाता, (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल में धार्मिक गतिविधियों की अनुमति को लेकर 'दोहरे मानदंडे अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में नमाज अदा करने की पूरी आजादी है लेकिन पूजा आयोजित करने या पंडाल लगाने के लिए अदालत से अनुमति लेनी पड़ती है।नवीन ने कोलकाता के बाहरी इलाके में स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद पत्रकारों से कहा कि यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है।उन्होंने कहा, यहां नमाज अदा करने की अनुमति है लेकिन पूजा करने और पंडाल लगाने के लिए उच्च न्यायालय से अनुमति मांगनी पड़ती है।नवीन ने कहा, मैंने दक्षिणेश्वर में पूजा की और राज्य के लोगों के कल्याण तथा विकसित बंगाल एवं सोनार बांग्ला के निर्माण के लिए देवी से प्रार्थना की।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

समझौते में 'रेड लाइन' बन रही मुसीबत

ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है। यह पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी जिद छोड़नी होगी।

अमेरिका की शर्तें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें हैं। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी हैं, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे।

समझौते की कोशिश। ये लाइनें लिखे जाने तक इन प्रस्तावों को लेकर कोई स्पष्टता नहीं थी। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है।

भरोसे की कमी। ईरान और अमेरिका एक-दूसरे से जो चाहते हैं, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्हीं मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते हैं, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने-सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुईं सारे वार्ताएं नाकाम रही हैं और उनके दरम्यान ही अमेरिका-इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है।

ताकत समाधान नहीं। बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं। अब तक के संघर्ष ने इतना तो बता दिया कि ताकत के जोर से सिर्फ तबाही ही मिलेगी। ट्रंप को इस्राइल को भी हमले रोकने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि अगर एक भी पक्ष समझौते का पालन नहीं करता है, तो शांति को कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

सामाजिक न्याय की अवधारणा

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए...

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है। भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी। जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

रामनवमी पर विशेष

मुनीष भाटिया

आध्यात्मिक चेतना और दर्शन के शाश्वत प्रतीक हैं श्रीराम

मानव जीवन एक सतत यात्रा है-सत्य, प्रेम और आत्मबोध की यात्रा। इस यात्रा में राम एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह हमारे साथ रहते हैं। वे केवल इतिहास या ग्रंथों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन में बसने वाली वह चेतना है, जो हमें सही और गलत का भेद सिखाती है। उनका नाम केवल धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने की अनुभूति है। आज का समाज अनेक विभाजनों में बंट चुका है-जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर। इन विभाजनों ने मानवता की मूल भावना को कमजोर कर दिया है। लेकिन राम का जीवन हमें यह सिखाता है कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म वही है, जो सबको साथ लेकर चले। शबरी के प्रेम से सिक्त बेर स्वीकार करना, निषादराज को आत्मीय मित्र बनाना और हनुमान जैसे भक्त को हृदय से लगाना-ये सभी प्रसंग यह दर्शाते हैं कि राम के लिए कोई भी ऊंच-नीच या भेदभाव नहीं था। वे समरसता और समानता के सच्चे प्रतीक हैं। राम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जीवन के हर संबंध और हर भूमिका में मर्यादा का पालन किया। चाहे वह पुत्र के रूप में पिता के वचन का पालन हो, राजा के रूप में प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व, या एक मित्र के रूप में निष्ठा-हर स्थान पर उन्होंने आदर्श स्थापित किए। आज जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं और स्वार्थों के कारण मर्यादाओं का उल्लंघन कर रहा है, तब राम का जीवन हमें अनुशासन और संयम का महत्व याद दिलाता है। उन्होंने चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर यह सिद्ध किया कि कर्तव्य और वचन की मर्यादा सर्वोपरि होती है। राम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मनुष्य अपने कर्मों और आचरण से ही महान बनता है। वे हमें यह समझाते हैं कि "पुरुष" से "पुरुषोत्तम" बनने की यात्रा बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धता, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता से तय होती है। जब व्यक्ति लोभ, मोह, अहंकार और वासना जैसे बंधनों से मुक्त होकर निष्काम भाव से कर्म करता है, तभी वह अपने वास्तविक स्वरूप के निकट पहुंचता है। राम का यह संदेश हमें आत्मोन्नति की ओर प्रेरित करता है। मानव की सबसे बड़ी चुनौती उसकी अनियंत्रित इच्छाएं हैं, जो उसे भ्रम और पतन की ओर ले जाती हैं। इसके विपरीत, रावण का चरित्र यह दर्शाता है कि ज्ञान और शक्ति होते हुए भी यदि व्यक्ति अपने अहंकार और वासना पर नियंत्रण नहीं रखता, तो उसका विनाश निश्चित है। इस प्रकार राम और रावण का अंतर केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक मूल्यों का अंतर है। राम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश "निष्काम कर्म" का है- ऐसा कर्म, जिसमें फल की अपेक्षा न हो। जब व्यक्ति बिना स्वार्थ के अपना कर्तव्य निभाता है, तो वह न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है। आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि उसने आंतरिक संतोष और शांति को पीछे छोड़ दिया है। राम का मार्ग हमें सादगी, संतुलन और आत्मिक संतोष की ओर लौटने का आह्वान करता है। सत्य और धर्म राम के जीवन के मूल आधार रहे हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में सत्य का साथ दिया, चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो। यह हमें सिखाता है कि सच्चाई का मार्ग भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन अंततः वही स्थायी विजय का मार्ग है। इसी संदर्भ में आज के समय में राम के आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के बीच व्यक्ति स्वयं से दूर होता जा रहा है। ऐसे में राम का जीवन हमें आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। वे सिखाते हैं कि बाहरी सफलता के साथ-साथ आंतरिक संतुलन भी आवश्यक है। यदि मन अशांत है, तो कोई भी उपलब्धि हमें संतुष्टि नहीं दे सकती। इसलिए राम का मार्ग केवल नैतिकता का ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन का भी मार्ग है। इसके अतिरिक्त, राम का जीवन नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने राजा के रूप में सदैव प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा। आज के नेतृत्वकर्ता यदि राम के इस गुण को अपनाएं, तो समाज में न्याय और विश्वास की स्थापना हो सकती है। राम हमें यह भी सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो त्याग, सेवा और समर्पण पर आधारित हो, न कि केवल सत्ता और अधिकार पर। अंततः, राम कोई दूरस्थ आदर्श नहीं, बल्कि हमारे भीतर जागृत होने वाली वह चेतना हैं, जो हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा देती है। उनका संदेश सरल है-सत्य का अनुसरण करो, धर्म का पालन करो, और मानवता को सर्वोपरि रखो। यही जीवन का सार है, और यही सच्चे अर्थों में राम को जीना है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

धैर्य के साथ करें आत्ममूल्यांकन

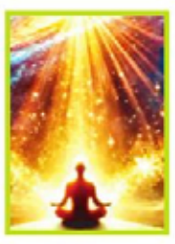

संकलित

दर्शन

प्रकृति हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित व उत्साहित करती रहती है। हर पेड़, पौधे, फूल, पत्ती का एक मौन संदेश हुआ करता है और वह है कि स्वयं को निरंतर गतिमान और संतुलित रखने के लिए धैर्य चाहिए। पेड़ों पर मंजरी या बौर आने के तुरंत बाद ही तो फल नहीं आ जाता। हौले-हौले ही यह प्रक्रिया सम्पन्न होती है। माटी, हवा और पानी से जिस तरह एक पौधा धीरज रखकर खुद को पुष्पित और पल्लवित करता है, हमें भी ऐसा ही जीवन दर्शन अपनाना चाहिए। महर्षि अरविंद अपने पास आने वाले जिज्ञासु को यह मंत्र देते थे कि मनुष्य अपने सारे जीवन का वास्तुकार स्वयं ही है। हम अपनी रुचि और सोच-विचार के हिसाब से दिनचर्या तय करते हैं। अपने तौर तरीके से दिन बिताते हैं। सब सामान्य रहता है, तो हम खुश रहते हैं। लेकिन इस दिनचर्या में कुछ जरा-सा भी कुछ अनचाहा हुआ नहीं कि हम सिर पीटने लगते है। हमारा धैर्य डोल जाता है। हमारी पसंद से बने हुए जीवन की हलचल और हिचकोले हमें विचलित कर देते हैं। हम गलती से भी आत्म अवलोकन नहीं करते।हम अपनी भूमिका न देखकर किसी और पर दोष मढ़ देते हैं। ऐसा प्रदर्शित करते हैं कि इस हालत के लिए उनके अलावा सब ही जिम्मेदार हैं। आरोप लगाने और खुद साफ बच जाने के इस पल में हम चतुराई से यह सच छिपा जाते हैं कि कर्म का नियम कुछ और ही है। कर्म का सिद्धांत यह साफ कहता है कि हमारे हर दुख कष्ट आदि के लिए हम ही जिम्मेदार हैं, कोई दूसरा नहीं।

श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है

संकलित

प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूँ, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

राम की मूर्ति को अंतिम रूप

महाराष्ट्र के नागपुर में चल रहे नवरात्रि उत्सव के दौरान राम नवमी से पहले एक कलाकार भगवान राम की मूर्ति को अंतिम रूप दे रहा है।

आज की पाती

परमात्मा बेईमानी-चालाकी सब देखते हैं

दुनिया की नजर से बचकर हम चालाकियां और बेईमानियां कर सकते हैं, लेकिन जो हमारे कर्मों का लेखा-जोखा रख रहा है, उससे हम कुछ नहीं छुपा सकते। हम सब जानते हैं कि भगवान कण-कण में विराजमान हैं, लेकिन फिर भी कुछ लोग इस अटल सच्चाई को नजरअंदाज करते हुए बेईमानी और अन्य गलत कामों को करने से परहेज नहीं करते, बेशक उन्होंने बुरे कर्मों का नतीजा भुगता ही क्यों न हो, लेकिन फिर भी वो दुनिया से नजर बचाकर बेईमानी और चालाकी करने से बाज नहीं आते। परमात्मा हमारी अंतरात्मा पर भी नजर रखता है, वो हमारी सोच, मन, मस्तिष्क में क्या चल रहा है, उसको भी देखता है। परमात्मा की नजर में हमारे कर्म रिकॉर्ड होते हैं।

- विजय देवांगन, कुम्हारी

ट्रेंड

शांति और स्थिरता पर चर्चा

राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ट्रांसजेंडर विधेयक

भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति सशोधन विधेयक ट्रांसजेंडरों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला है। यह प्रतिगामी विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों से उनकी स्वयं की पहचान करने का अधिकार छीन लेता है, जो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

आईपीडी टावर की उपेक्षा

जयपुर के महिला चिकित्सालय (सागानेरी गेट) में बन रहा आईपीडी टावर भी आज भाजपा सरकार की उपेक्षा का शिकार है। हमारी कांग्रेस सरकार ने फरवरी 2023 में इस प्रोजेक्ट का काम शुरू किया था।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

बिहार में अपराध

बिहार में अपराधियों का काम अब पुलिस कर रही है। दारू पीकर दरोगा किसी को भी गोली मार देता है और दरोगा का कुछ नहीं बिगड़ता। ये बाद असामाजिक तत्व हमारे लोगों के संयम और अनुशासन को कमजोरी ना समझें।

-तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

करंट अफेयर

ईरान में छिड़ी जंग से ज्यादा परेशान ये मुल्क

ईरान में अमेरिका और इजरायल की ओर से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। ईरान के तेल कुएं हों या फिर गैस फील्ड, सभी को अमेरिका और इजरायल ने टारगेट किया है। वहीं ईरान ने भी संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और बहरीन समेत कई ऐसे देशों पर हमले किए हैं, जहां से बड़ी संख्या में तेल और गैस की सप्लाई दुनिया भर में की जाती है। इस जंग ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी बाधित किया है, जहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल कारोबार होता है। इसके चलते भारत समेत कई देशों में तेल और गैस का संकट पैदा हो गया है। इसकी वजह है कि भारत ने अपनी तेल की जरूरतों को डाइवर्सिफाई किया है। वहीं पाकिस्तान, जापान, थाइलैंड और कोरिया जैसे देशों को ज्यादा परेशानी है। एक रिपोर्ट के अनुसार खाड़ी देशों से अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल आयात पाकिस्तान करता है। इसके बाद दूसरा नंबर जापान, तीसरा थाईलैंड और चौथा साउथ कोरिया का है। इसके बाद 5वां नंबर भारत का आता है। साफ है कि ईरान में चल रही जंग से भारत के मुकाबले कहीं ज्यादा परेशान पाकिस्तान है। इस संकट के चलते एक तरफ सप्लाई पर असर पड़ा है तो वहीं कच्चे तेल के दाम भी 100 डॉलर के ऊपर लगातार बने हुए हैं।

ऑफ बीट

कई ग्लुटेन मुक्त उत्पादों में कैलोरी-शर्करा अधिक

अमेरिकी उपभोक्ता अक्सर ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करते हैं, फिर भी ये उत्पाद आमतौर पर ग्लुटेन युक्त विकल्पों की तुलना में कम प्रोटीन और अधिक शर्करा एवं कैलोरी प्रदान करने वाले होते हैं। वर्तमान में कई ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसके अलावा, ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में आमतौर पर ग्लुटेन युक्त अन्य उत्पादों की तुलना में अधिक शर्करा पाई जाती है। ग्लुटेन-मुक्त आहार के लंबे समय तक सेवन का संबंध 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) में वृद्धि और पोषण संबंधी कमियों से है। ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद को अमेरिका में ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनमें ग्लुटेन प्रति 10 लाख में 20 भाग से कम या उसके बराबर होता है। लेकिन ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद में बड़े पैमाने पर गेहूं, राई, जौ और कभी-कभी जई की कमी होती है, जबकि ये सभी 'रबीनोक्सिलन' के समृद्ध स्रोत हैं जो एक महत्वपूर्ण स्टार्च रहित पॉलीसेकेराइड है। अरबीनोक्सिलन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जिसमें लाभकारी आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा देना, पाचन को बढ़ाना, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करना और संतुलित आंत माइक्रोबायोटा का समर्थन करना शामिल है।

दावत-ए-इस्लामी के तत्वावधान में 30 मार्च से शुरू होगा 63 दिवसीय मदनी कोर्स

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। जिला मुख्यालय स्थित मदनी मरकज-फ़ैज़ाने इश्क़े रसूल मस्जिद में दावत-ए-इस्लामी इंडिया के 'मदनी कोर्सेज' विभाग के तहत 30 मार्च से 63 दिवसीय विशेष कोर्स शुरू होने जा रहा है। मदनी मरकज के इमाम नसरुल्लाह अत्तारी ने बताया कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य युवाओं को धर्म के साथ-साथ एक बेहतर नागरिक के रूप में तैयार करना है। कोर्स के दौरान कुरान-ए-पाक का शुद्ध पाठ, नमाज का व्यावहारिक तरीका, मय्यत को गुस्ल व कफन पहनाने की विधि, टाइम मैनेजमेंट और बुरी आदतों को छोड़ने की तरबियत दी जाएगी। आयोजकों ने 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं से इस निःशुल्क कोर्स में शामिल होने की अपील की है, ताकि वे समाज और मुल्क के लिए एक नेक व जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

राम मात्र नाम नहीं, मानवता को मिला अद्भुत वरदान: पवन पाण्डेय

पाली (मोहम्मद यासीन)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद पाली द्वारा पंडित विष्णुप्रसाद चतुर्वेदी सभागार में 'मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन आदर्श' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार सत्यदेव संवितेन्द्र रहे, जबकि अध्यक्षता प्रांतीय प्रचार प्रमुख पवन पाण्डेय ने की। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पवन पाण्डेय ने कहा कि राम शिक्षा, भक्ति और लक्ष्य के प्रति समर्पण का अनूठा उदाहरण हैं। कवयित्री तृप्ति पवन पांडेय ने श्रीराम के जीवन से नारी सम्मान की प्रेरणा लेने पर जोर दिया। वहीं, साहित्यकार सत्यदेव संवितेन्द्र ने कहा कि राम के आदर्श ही मनुष्य को नैतिक चेतना से जोड़ते हैं। कवि श्रीराम वैष्णव 'कोमल' की सरस्वती वंदना से शुरू हुए इस कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार 'अनैतिक' ने किया। वक्ताओं ने राम को पारिवारिक संबंधों और परोपकार की पराकाष्ठा बताते हुए सामाजिक नवनिर्माण का आह्वान किया।

मदनी मरकज में 63 दिवसीय कोर्स 30 मार्च से, युवाओं को दी जाएगी धार्मिक व नैतिक तरबियत

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। जिला मुख्यालय स्थित मदनी मरकज-फ़ैज़ाने इश्क़े रसूल मस्जिद में दावत-ए-इस्लामी इंडिया के 'मदनी कोर्सेज' विभाग के तत्वावधान में 30 मार्च से 63 दिवसीय विशेष कोर्स का आगाज होने जा रहा है। मदनी मरकज के इमाम नसरुल्लाह अत्तारी ने बताया कि इस कोर्स में 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं को शामिल किया जाएगा। कोर्स के दौरान कुरान-ए-पाक का शुद्ध पाठ, नमाज का व्यावहारिक तरीका, मय्यत को गुस्ल व कफन पहनाने की विधि, और टाइम मैनेजमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य युवाओं को बुरी आदतों से दूर कर समाज और मुल्क के लिए एक नेक व जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना है। यह कोर्स पूरी तरह निःशुल्क होगा।

587 ग्राम अवैध गांजे के साथ सेल्समैन गिरफ्तार

महुआ पुलिस की मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई

महुआ (शफीक अली)। महुआ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान चलाते हुए एक आरोपी को भारी मात्रा में गांजे के साथ धर दबोचा है। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि भरतपुर रोड स्थित 'गुरुजी का बाग' भांग के ठेके के पास अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भांग के ठेके के सेल्समैन राम हरि गुर्जर पुत्र चतर सिंह गुर्जर (निवासी विराना) को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 587.86 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 26,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाना पड़ा भारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के चक्कर में रेलवे ट्रैक और पुलों पर रील बनाना जानलेवा होने के साथ-साथ अब जेल की हवा भी खिला सकता है। हाल ही में मलारना रेलवे स्टेशन के पास बनास नदी के रेलवे पुल पर रील बनाने का वीडियो वायरल होने के बाद रेल सुरक्षा बल (RPF) सवाई माधोपुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीलवा गांव निवासी भाई-बहन दिलखुश मीणा और संजू मीणा को गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम की धारा 147 (अनधिकृत प्रवेश) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। आरपीएफ ने स्पष्ट किया कि रेलवे ट्रैक पर चलना, पुलों पर फोटो-वीडियो बनाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि जीवन के लिए भी अत्यंत खतरनाक है। रेल सुरक्षा बल ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें और प्रतिबंधित स्थानों पर जाने से बचें, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एजुकेशन-एरा-अकैडमी का 10वीं बोर्ड परिणाम रहा शत-प्रतिशत, घर-घर जाकर छात्रों को किया सम्मानित

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। जिला मुख्यालय स्थित एजुकेशन-एरा-अकैडमी सेकेंडरी स्कूल का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम इस वर्ष भी शानदार और शत-प्रतिशत रहा। इस गौरवशाली उपलब्धि पर विद्यालय स्टाफ ने अनूठी पहल करते हुए छात्र-छात्राओं के घर-घर जाकर उन्हें सम्मानित किया और परिजनों को बधाई दी। शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ बच्चों की मेहनत और भविष्य के लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए सही विषय चुनने और निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया गया। अभिभावकों ने विद्यालय के अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए बच्चों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। विद्यालय की इस पहल को बच्चों का मनोबल बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

कांग्रेस का 'संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान 1 अप्रैल से, गांव-गांव होगा जन-जागरण

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आह्वान पर आगामी 1 अप्रैल से प्रदेशभर में 'संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान का शंखनाद होने जा रहा है। चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य कांग्रेस संगठन का धरातल तक विस्तार करना और लोकतंत्र की रक्षा करना है। चौहान ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दमन कर पिछले डेढ़ साल से पंचायत और नगर निकाय चुनाव टाल रही है। प्रदेश कांग्रेस अब परिसीमन के बाद बनी 14,000 से अधिक ग्राम पंचायतों और 11,000 से अधिक नगर निकाय वार्डों में नई कार्यकारिणी का गठन कर बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करेगी। अभियान के जरिए कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और वार्डों तक पहुंचकर जनता को जागरूक करेंगे और पंचायती राज ढांचे को कमजोर करने वाली नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे।

मां जालपा देवी कॉलेज में लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह संपन्न, उपमुख्यमंत्री ने की शिरकत

तारानगर (मोहम्मद अली पठान)। मां जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय में भव्य लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रहे, जबकि अध्यक्षता पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने की। इस अवसर पर भामाशाह ताराचंद गोयल एवं विम्मी गोयल का विशेष सम्मान किया गया। समारोह में संत श्री श्री नागरदास जी तपोवन, चूरू विधायक हरलाल सहारण और विशिष्ट अतिथि पद्म विभूषण देवेंद्र झाझड़िया (अध्यक्ष भारतीय पैरालंपिक समिति) ने शिरकत की। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सरस्वती बुडानियां के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने कहा कि समाज के सहयोग से ही शिक्षण संस्थानों का विकास संभव है। इस दौरान बसंत शर्मा, पराक्रम सिंह राठौड़, राकेश जांगिड़, जसवंत स्वामी, अजीत सिंह राठौड़, अनूप खण्डेलवाल, विशाल शर्मा, जमरदीन तैली, हरि इन्दोरिया, श्रीकुमार लाखोटिया, गोपाल शरण गर्ग, सुनील भाकर, मोहम्मद तैयब, मदन लाल नायक, वीर बहादुर सिंह राठौड़, मुकेश शर्मा, लीलाधर बागोरिया, नंदू पटीर, शाहरुख खान, बाबूलाल पटीर, गुमान सैनी, नरेश सैनी, भगवती प्रसाद, श्याम सुन्दर चाचाण, त्रिलोक रेगर, मनोहर लाल सैनी, नरेश झाझडिया, मोहम्मद फारूक और माणक चंद सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नवरात्रि के समापन पर प्रताप चौक बालाजी मंदिर में महाप्रसादी वितरण, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बारां (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। स्व. श्री ओमप्रकाश व्यास मानव सेवार्थ समिति बारां चैरिटेबल एवं गणपति होम डेकॉर के संयुक्त तत्वावधान में प्रताप चौक स्थित बालाजी महाराज मंदिर पर भव्य महाप्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमिनेंट ग्रुप ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर प्रवीण शर्मा, पेंशनर्स समाज अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, कपड़ा व्यापार समिति के प्रदीप जैन, गोपाल मित्तल और ऋषिवल्लभ शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समिति की ओर से अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को हलवा और चने के रूप में लगभग 90 किलो महाप्रसादी वितरित की गई। समिति के प्रवक्ता शशांक शर्मा व दिनेश शर्मा ने बताया कि इस सेवा कार्य का उद्देश्य समाज में सहयोग की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर रितेश शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, ललित मोहन शर्मा, परीक्षित गोयल, अंशुल व्यास, दीपेश गर्ग, प्रिंस सुमन, महेश गुप्ता, मनोज सुमन सहित अनेक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। समिति ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

सवाई माधोपुर: बोर्ड ऑफ विजिटर्स ने किया जिला कारागृह का त्रैमासिक निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार श्री देवेंद्र दीक्षित (अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला व सेशन न्यायाधीश) की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कारागृह का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 99 बंदी उपस्थित पाए गए। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की पालना में टीम ने बंदियों से जाति, धर्म, लिंग या विकलांगता के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव या विशेष उपचार के संबंध में विस्तृत पूछताछ की, जिसमें जेल में कोई भेदभाव नहीं पाया गया। बोर्ड ऑफ विजिटर्स के सदस्यों में समीक्षा गौतम (सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण), अनिल जैमिनी (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी), गोविन्द सहाय मीना (अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग), मनोज कुमार गहलोत (उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग), हरकेश मीना (जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक) और लखपतलाल मीना (संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार) शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान जेलर ताराचन्द शर्मा से साफ-सफाई, पेयजल और चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस मौके पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशुतोष सिंह आढ़ा, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल राधेश्याम जोगी और अधिकार मित्र गिर्राज रैगर भी उपस्थित रहे।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल: ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान ने किया रामनवमी शोभायात्रा का भव्य स्वागत

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। जिला मुख्यालय की नई सड़क पर 'ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान' की ओर से रामनवमी की विराट शोभायात्रा का गर्मजोशी से स्वागत कर आपसी भाईचारे की अनूठी मिसाल पेश की गई। संस्थान के जिलाध्यक्ष संजय ख़ान घांघू और उनकी पूरी टीम ने शोभायात्रियों पर पुष्प वर्षा की और उन्हें ठंडा जूस व पानी पिलाकर सेवा की। मुस्लिम युवाओं ने रैली में शामिल सनातनी भाइयों को गले लगाकर रामनवमी की बधाई दी। इस मौके पर डॉ. अहसान गोरी, रफीक खान मेहरी, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, जावेद ढबु, इमरान बाली और निजामिद्दीन खान सहित संस्थान के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। अनुशासन और प्यार-मोहब्बत के इस माहौल ने शहर में कौमी एकता के रंग बिखेर दिए, जिसकी हर तरफ सराहना हो रही है।

'विराट भगवा शोभायात्रा' में उमड़ा जनसैलाब, मुस्लिम समुदाय ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

चूरू (मोहम्मद अली पठान)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर जिला मुख्यालय पर भव्य 'विराट भगवा शोभायात्रा' श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। पूज्य संतों के सानिध्य में इंद्रमणि पार्क से शुरू हुई इस यात्रा में पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण और भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा सहित हजारों श्रद्धालुओं ने शिरकत की। शोभायात्रा शास्त्री मार्केट, रेलवे स्टेशन, नई सड़क और सफेद घंटाघर होते हुए राम मंदिर पहुंची। इस दौरान शहर में कौमी एकता का अद्भुत नजारा दिखा। पुरानी सड़क पर दरगाह नूर नबी के पास कायमखानी महासभा के जिलाध्यक्ष ईशाक खान के नेतृत्व में, जबकि नई सड़क पर ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान द्वारा पुष्प वर्षा और जूस पिलाकर स्वागत किया गया। गोरी इलेक्ट्रॉनिक के एम. हारून गोरी के नेतृत्व में मुमताज हॉस्पिटल के सामने स्टेज लगाकर फूल-मालाओं और ठंडे पेयजल से यात्रियों का अभिनंदन किया गया। केसरिया झंडों और जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा शहर गुंजायमान रहा। इस सफल आयोजन में सामाजिक संस्थाओं और पुलिस-प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा।

ईरान के खिलाफ युद्ध जीत लिया गया : ट्रंप

ईरान परमाणु हथियार न रखने पर सहमत हुआ, अमेरिका को बड़ा तोहफा भेजा : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में युद्ध में जीत का दावा करते हुए कहा कि ईरान परमाणु हथियार कभी नहीं रखने पर सहमत हो गया है और उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सौगात भेजी है। ट्रंप ने मंगलवार को ओवल ऑफिस (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि ईरान समझौता करने का इच्छुक है और उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, विटेरो मंत्री मार्को रुबियो, पश्चिम एशिया के मामलों के लिए विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान के मौजूदा नेतृत्व में पहले ही बड़े बदलाव हो चुके हैं। उन्होंने कहा, असल में यह वही है, जिसे हम सत्ता परिवर्तन कह सकते हैं।

आप जानते हैं कि यह सत्ता परिवर्तन है क्योंकि अब सत्ता में बैठे लोग उन लोगों से बिल्कुल अलग हैं, जिनके साथ हमने शुरुआत की थी और जिन्होंने वे सारी समस्याएं पैदा की थीं। इससे पहले, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए मंगलवार को कहा था कि उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त कराने के लिए सार्थक और निर्णायक वार्ता की मध्यस्थता के लिए तैयार है। इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने शरीफ की पोस्ट को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा किया था। ट्रंप ने नए गृह मंत्री के रूप में मार्कवेन मुलिन के शपथ ग्रहण समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं पहले से यह नहीं कहना चाहता लेकिन वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि वे कभी परमाणु हथियार नहीं रखेंगे। ट्रंप ने कहा कि ईरानी नेतृत्व ने होर्मुज जलडमरूमध्य और तेल की आपूर्ति से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सौगात अमेरिका को दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, वे समझौता करने जा रहे हैं। उन्होंने कल कुछ ऐसा किया जो वास्तव में हैरान करने वाला था। उन्होंने हमें एक तोहफा दिया और वह तोहफा आज पहुंच गया। वह बहुत बड़ा तोहफा है जिसकी कीमत बहुत ज्यादा है। उन्होंने कहा, मैं आपको यह नहीं बताऊंगा कि वह तोहफा क्या है, लेकिन वह बहुत बड़ी सौगात है। ट्रंप ने कहा, तो मेरे लिए उसका एक ही मतलब है कि हम सही लोगों से बातचीत कर रहे हैं। नहीं, यह (तोहफा) परमाणु हथियार से जुड़ा नहीं है। यह तेल और गैस से जुड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध जीत लिया गया है। ट्रंप ने कहा, हम इसे जीत चुके हैं। यह युद्ध जीता जा चुका है... ऐसा नहीं है कि हम कोई ऐसा युद्ध जीत रहे हैं जहां उनके पास नौसेना नहीं है और उनके पास वायुसेना नहीं है और उनके पास कुछ भी नहीं है। हमारे विमान वास्तव में तेहरान और देश के अन्य हिस्सों के ऊपर उड़ रहे हैं।

ईरानी सेना ने अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर ट्रंप के दावे का उड़ाया मजाक

दुबई। ईरान की सेना के एक प्रवक्ता ने युद्धविराम समझौते से जुड़े अमेरिकी प्रयासों का बुधवार को मजाक उड़ाया जिससे यह सवाल उठने लगे कि क्या अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 15 सूत्रीय योजना के सफल होने की कोई संभावना है। ईरान की नियमित सेना और अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड की संयुक्त रूप से कमान संभालने वाले खातम अल-अम्बिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जुल्फाघारी ने 15-सूत्रीय योजना को मध्यस्थों के जरिए ईरान को सौंपे जाने के बाद यह टिप्पणी की। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी अधिकारी इस योजना पर ईरान के साथ बातचीत कर रहे हैं लेकिन सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक बयान में जुल्फाघारी ने इस बात का संकेत दिया कि कोई बातचीत नहीं हो रही। जुल्फाघारी के पहले से रिकॉर्ड वीडियो के जरिए यह बयान जारी किया। उन्होंने कहा, क्या आपके आंतरिक मतभेद इस हद तक पहुंच गए हैं कि आप खुद से ही बातचीत कर रहे हैं? जुल्फाघारी ने कहा, पहले दिन से ही हमारी पहली और आखिरी बात यही रही है और यही रहेगी हम जैसे लोग आप जैसे लोगों के साथ कभी समझौता नहीं करेंगे। न अभी, न कभी। एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि 15 सूत्रीय युद्धविराम योजना पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए ईरान को सौंपी गई। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में मध्यस्थता की पेशकश की है। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया जब अमेरिका की सेना 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से कम से कम 1,000 और सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रही है ताकि क्षेत्र में पहले से मौजूद करीब 50,000 सैनिकों को और बल मिल सके। सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह खबर दी थी कि योजना ईरानी अधिकारियों को सौंप दी गई है। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय का मुख्यालय पेंटागन दो मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट की भी तैनाती की प्रक्रिया में है जिसके तहत क्षेत्र में करीब 5,000 मरीन एवं नौसेना के हजारों अन्य कर्मी और तैनात किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

लूटपाट की घटनाओं में शामिल सात पकड़े

नई दिल्ली। द्वारका पुलिस ने नाबालिगों के एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो पार्टी के लिए पैसा जुटाने के लिये बाइक छीनने, लूटपाट और चोरी की कई वारदात में शामिल थे। गिरोह के सात नाबलिग पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। आरोपियों का संबंध द्वारका नॉर्थ और नजफगढ़ क्षेत्रों में दर्ज कम से कम तीन मामलों से पाया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई मोहन गार्डन निवासी निखिल (22) द्वारा 15 मार्च को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई। शिकायतकर्ता का आरोप था कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी मोटरसाइकिल और नकदी लूटी है। पीड़ित अपने भतीजे के साथ मोटरसाइकिल से ककरौला गंदा नाला सर्विस रोड से जा रहा था, तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों ने उन्हें रोक लिया। उन्हें चाकू दिखाकर धमकाया गया और हमला कर मोटरसाइकिल और दो हजार रुपये लूटे गये थे। डीसीपी कुशल पाल सिंह ने बताया कि लगभग 10 किलोमीटर के क्षेत्र में लगे लगभग 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला गया तब कहीं जाकर लुटेरों का सुराग हाथ लगा।

पालम अग्निकांड की रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार : सौरभ

नई दिल्ली। पालम अग्निकांड मामले को लेकर 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता ने मामले की जांच एसडीएम को सौंपी थी, लेकिन अभी तक रिपोर्ट का कुछ पता नहीं है। वह रिपोर्ट सार्वजनिक करने की जगह मुख्यमंत्री और उनके मंत्री आशीष सूद खुद जांच अधिकारी बन गए हैं और 9 लोगों को गंवाने वाले पीड़ित परिवार को ही दोषी बता रहे हैं। जबकि सबने देखा कि तीसरी मंजिला पर लोग खड़े दिख रहे थे, लेकिन इनके फायर विभाग ने न जाल बिछाया और ना ही लोगों को गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने दी। रेखा गुप्ता सरकार विधानसभा में यह भी झूठ रही है कि गली संकरी थी। जबकि गली काफी चौड़ी है।

पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा

दयालपुर: पार्टी के बहाने बुलाकर किशोर को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली

■ परिजनों ने शव को थाने पर रखकर प्रदर्शन भी किया

उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में 16 वर्षीय लड़के को घर से बुलाकर जानकारों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इस संबंध में पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा है। आरोपी लड़के की उम्र 13 से 17 साल के बीच बताई गई है। हत्या की वजह मृतक द्वारा एक आरोपी को तंग करना बताया गया है। पुलिस रील बनाने के एंगल की भी जांच कर रही है।

पुलिस को 16 वर्षीय सुभान अपने परिवार के साथ नेहरू विहार में रहता था। परिवार में पिता दिलशाद, मां, भाई और दो बहन है। बुधवार रात करीब नौ बजे तीन से चार किशोर उसके घर पहुंचे और जन्मदिन की पार्टी के बहाने उसे अपने साथ ले गये। कुछ देर बाद वह परिवार को घर के पास बेहोश मिला। उसे फौरन जगप्रवेश चंद अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि पीड़ित उनमें से एक को तंग किया करता था जिस वजह से इस वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित की मां ने आरोप लगाया कि हमलावर उसके बेटे को जानते थे और वह उसे बहला-फुसलाकर बाहर ले गए थे। पीड़ित की मां ने कहा, उसे तीन-चार लड़कों ने बुलाया था।

जैसे ही वह बाहर निकला, उन्होंने पहले उसे गले लगाया और फिर उस पर कई बार चाकू से वार किया। परिजनों ने शव को थाने पर रखकर प्रदर्शन भी किया। शुरुआती जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी और मृतक साथ रील बनाते थे। रील को लेकर भी उनके बीच कुछ मतभेद चल रहे थे।

पैसों के विवाद में रिश्ते के भाई ने महिला का गला रेता

मयूर विहार की घटना, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली

■ घायल महिला को अस्पताल में करवाया गया है भर्ती

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में पैसों के विवाद में 29 वर्षीय महिला को उसके रिश्ते के भाई ने चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया। महिला के गले पर गहरा जख्म आया है। फिलहाल उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना बुधवार रात करीब 9.45 बजे सामने आई। आरोपी असलम को अरेस्ट कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार असलम बुधवार देर रात त्रिलोकपुरी निवासी पीड़िता अफसाना के घर पहुंचा और अपने कथित बकाये पैसे की मांग को लेकर उससे बदसलूकी करने लगा। जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया, तो असलम ने उसे जान से मारने की धमकी दी और चाकू से उस पर हमला किया। हमले में अफसाना की गर्दन पर गंभीर चोट आई। हमले के बाद आरोपी की मां अफसाना को लाल बहादुर शास्त्री (एलबीएस) अस्पताल ले गई, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि रात 11.06 बजे घायल महिला के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत अस्पताल पहुंची। अफसाना के बयान के आधार पर मयूर विहार थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया। कुछ ही घंटों बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद हो गया है।

डेढ़ लाख के कॉपर वायर के साथ चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली

कोटला मुबारकपुर थाने की क्रैक टीम ने एक शातिर चोर को पकड़ा है। आरोपी का नाम नजमुद्दीन (38) पुत्र मुंसफ अली निवासी त्रिलोकपुरी, मयूर विहार फेज-1 बताया गया है। इसके पास से लगभग 1.5 लाख कीमत के तांबे के आठ बंडल तार बरामद हुये हैं। पुलिस ने इस गिरफ्तारी के बाद चोरी के कई मामले सुलझाने का दावा किया है। डीसीपी अनिल मित्तल ने बताया कि 23 मार्च को आर्य बस्ती के एक दुकानदार से शिकायत मिली कि एक व्यक्ति बिजली का सामान चोरी करके भाग गया। इसके आधार पर कोटला मुबारकपुर थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। एसएचओ कोटला मुबारकपुर की देखरेख में एसआई योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल दातार सिंह, संदीप और मुकेश की एक टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और स्थानीय जानकारी का इस्तेमाल करते हुए गहन जांच की। 24 मार्च को आरोपी का पता लगाया गया और उसे लाजपत नगर से पकड़ लिया गया। उसकी निशानदेही पर चोरी हुए तांबे के तार बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान उसने कालकाजी, तैमूर नगर और गोविंदपुरी इलाकों में चोरी की कई ऐसी ही वारदातों में शामिल होने की बात कबूल की।

ईओडब्ल्यू ने गुरुग्राम की फर्म के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

एजेंसी. नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने गुरुग्राम स्थित रियल एस्टेट कंपनी 'एक्सपीरियन डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड' और उसकी सहयोगी इकाई 'एक्सपीरियन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड' के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। ईडी की शिकायत 'रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड' (आरएफएल) के खिलाफ धनशोधन मामले में उसकी जांच के परिणामस्वरूप सामने आई। ईडी के अनुसार, उसकी जांच में पाया गया कि रेलिगेयर फिनवेस्ट के पूर्व प्रवर्तक मलविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह ने अपने द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित संस्थाओं के माध्यम से आरएफएल से लगभग 2,036 करोड़ रुपये की हेराफेरी की। ईडी ने पाया कि सिंह बंधुओं ने आरएफएल से 150 करोड़ रुपये का गबन किया, जिसका इस्तेमाल गुरुग्राम के सेक्टर-62 में 27.86 एकड़ जमीन खरीदने के लिए किया गया था। ईडी ने चार फरवरी, 2020 को 27.86 एकड़ जमीन को जब्त कर लिया, जिसमें डिग्निटी बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड नामक एक अन्य कंपनी से संबंधित 9.1 एकड़ जमीन भी शामिल थी।

क्राइम ब्रांच ने सिलेंडरों के अवैध भंडारण का किया खुलासा, 459 एलपीजी सिलेंडर जब्त

नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने रणहौला इलाके से एलपीजी सिलेंडरों के अवैध भंडारण का खुलासा किया है। कार्रवाई करते हुये 459 सिलेंडर जब्त किये गये हैं। बरामद सिलेंडरों में इंडेन और भारत गैस दोनों शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी रोकने के लिये एक विशेष टीम का गठन किया गया है। लगातार जमीनी पड़ताल के बाद टीम को रणहौला इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी। इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, एचपी बालाजी गैस एजेंसी, गांव रणहौला में एक सुनियोजित छापा मारा गया। वहां गैस एजेंसी का मालिक सुशील कुमार सिंघल सिलेंडरों की अवैध जमाखोरी में सक्रिय रूप से लिप्त पाया गया। खाद्य आपूर्ति अधिकारी जग प्रवेश को तुरंत मौके पर बुलाया गया। उन्होंने घटनास्थल पर पहुंचकर नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान कुल 459 खाली कमर्शियल सिलेंडर बरामद किए गए हैं। जमा किए गए सिलेंडरों को गलत तरीके से मुनाफा कमाने के लिए खुले बाजार में बढ़ी हुई कीमतों पर बेचने का इरादा था।

जबरन वसूली गिरोह चलाने के आरोप में महिला सहयोगी संग गिरफ्तार

नई दिल्ली

■ लोगों को हनी ट्रेप में फंसाकर करते थे वसूली

दिल्ली पुलिस ने एक 44 वर्षीय महिला और उसके सहयोगी को हनी ट्रेप और जबरन वसूली गिरोह चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी पीड़ितों पर आपराधिक मामले दर्ज करा कर उन पर समझौता करने के लिए दबाव डालते थे। दरियागंज निवासी आरोपी महिला और न्यू उस्मानपुर निवासी यशदेव सिंह चौहान (44) को सेना के एक सेवानिवृत्त कैप्टन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, महिला ने सबसे पहले सोशल मीडिया पर शिकायतकर्ता से संपर्क किया और उसके उपन्यासों के प्रचार के लिए पेशेवर सेवाएं देने का वादा किया। आरोप है कि उसने शिकायतकर्ता को वित्तीय लेन-देन करने के लिए प्रेरित किया। बाद में उसने विवाद खड़ा किया और महरौली थाने में उसके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया। पुलिस ने बताया कि गंभीर आरोपों में 2021 में दर्ज प्राथमिकी को 25 फरवरी, 2025 को उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया और कहा कि यह कार्यवाही कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। सेवानिवृत्त अधिकारी की शिकायत के आधार पर महरौली थाने में एक नया मामला दर्ज किया गया जिसमें एक सहयोगी की मिलीभगत से जबरन वसूली का आरोप लगाया गया था। जांच के दौरान अपराध शाखा को पता चला कि महिला ने कथित तौर पर दिल्ली के विभिन्न थानों में नौ प्राथमिकियां दर्ज कराई थी। इनमें से तीन बलात्कार से संबंधित थीं, जबकि छह छेड़छाड़ और आपराधिक धमकी से जुड़ी थी। कई पीड़ितों ने बयान दिए जिसमें कहा गया है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पैसे के बदले मामले के निपटान के लिए मध्यस्थों का इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस ने बताया कि महिला का सहयोगी चौहान खुद को वकील बताता था, लेकिन वह पिछले 12 वर्षों से कड़कड़डूमा अदालत में एक वकील के साथ क्लर्क के रूप में काम कर रहा था।

पुलिस को एक पेन ड्राइव भी मिली थी जिसमें समझौते की बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग है। इनसे एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है जिसमें आपत्तिजनक बातचीत है। उसे फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। दोनों आरोपियों के आवाज के नमूने भी एकत्र कर फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला में भेजे गये हैं। अन्य संभावित पीड़ितों की पहचान करने और कथित गिरोह से जुड़े लोगों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

पानी नहीं आने की लोगों की शिकायतों पर केजरीवाल ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राजेंद्र नगर विधानसभा के कुछ इलाकों में कई दिनों से पानी नहीं आने की स्थानीय लोगों द्वारा की जा रही शिकायतों पर उन्होंने भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि मुझे गालियां दे देकर ही ये लोग सरकार में आए थे और अगले चार साल केवल मुझे गालियां ही देंगे। इनको न सरकार चलानी आती है और ना ही इनकी इच्छा है। दिल्लीवाले इनको वोट देकर ठगा महसूस कर रहे हैं। केजरीवाल ने राजेंद्र नगर निवासी का पानी न आने को लेकर एक्स पर की गई शिकायत को साझा कर कहा कि देखिए, इन लोगों ने कैसे दिल्ली वालों की जिंदगी नर्क बना दी है। इन्होंने दिल्ली का बुरा हाल कर दिया है। अपनी एक साल की सरकार में इन्होंने केवल तीन काम किए हैं, केजरीवाल को गाली, केजरीवाल को और गाली, केजरीवाल को भद्दी-भद्दी गाली। मुझे गालियां दे देकर ही ये सरकार में आए थे और अगले चार साल केवल मुझे गालियां ही देंगे। ना इनको सरकार चलानी आती है और ना ही इनकी इच्छा है। दिल्ली वाले इनको वोट देकर ठगा महसूस कर रहे हैं।

नजफगढ़ में 'काले शीशे' के खिलाफ अभियान के तहत 154 वाहनों पर कार्रवाई, चार जब्त

एजेंसी. नई दिल्ली। दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में अवैध 'टिंटेड' ग्लास (कारों के काले शीशे) के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के दौरान थार समेत कुल 154 वाहनों पर कार्रवाई की गई और चार वाहन जब्त किए गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कारों की खिड़कियों पर काली फिल्म लगाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के मद्देनजर नजफगढ़ में 25 मार्च को यह अभियान चलाया गया। पुलिस के अनुसार, कार के काली फिल्म लगे शीशे गंभीर सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा करते हैं, खासकर महिलाओं के लिए, और इसका उपयोग आपराधिक गतिविधियों को छिपाने के लिए भी किया जा सकता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इस बढ़ती समस्या पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के दौरान, अवैध रूप से काले शीशे के उपयोग को लेकर केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत 154 वाहनों पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि इसके अतिरिक्त, बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाना, दोषपूर्ण नंबर प्लेट और दुर्व्यवहार जैसे उल्लंघनों के लिए चार वाहनों को जब्त किया गया।

बिजली कंपनियों ने की 28 मार्च को एक घंटे गैर आवश्यक लाइट्स बंद रखने की अपील

नई दिल्ली। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) ने विश्व प्रकृति कोष के अर्थ आवर के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर नागरिकों से अपील की है कि 28 मार्च 2026 को रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक एक घंटे के लिए सभी गैर-आवश्यक लाइट्स बंद करें, ताकि यह संदेश सुदृढ़ हो कि छोटे-छोटे सामूहिक प्रयास भी पर्यावरण पर सार्थक प्रभाव डाल सकते हैं।भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, टाटा पावर-डीडीएल विभिन्न संचार माध्यमों जिनमें सोशल मीडिया, वेबसाइट, एसएमएस, व्हाट्सऐप संदेश, ईमेल, आईवीआरएस तथा कस्टमर केयर केंद्रों पर बैनर शामिल हैं के माध्यम से रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) और उपभोक्ताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहा है। समुदायों में जागरूकता फैलाने और सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, हमारे आभा सदस्य लगभग 150 स्कूलों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ 218 जेजे क्लस्टर्स के निवासियों तक भी पहुंच बना रहे हैं।

केरल में मोदी और ईसीआई का अपमान

'मानहानि' वाली वीडियो को लेकर एक्स के खिलाफ केस

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

केरल पुलिस की साइबर शाखा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और उसके एक हैंडल के खिलाफ एआई से निर्मित एक वीडियो प्रसारित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। वीडियो में कथित तौर पर पीएएम नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग को भ्रामक और मानहानिकारक तरीके से चित्रित किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कथित मानहानिकारक सामग्री को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) सहित आधिकारिक चैनलों के माध्यम से उसके संज्ञान में लाया गया था।

जनता को गुमराह किया गया: पुलिस

केरल पुलिस ने कहा कि जांच में पाया गया कि एआई से बनेवीडियो में जनता को गुमराह करने, निकायों की विश्वसनीयता को कमजोर करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव डालने की क्षमता है।

शैक्षणिक कार्य, अनुशासन या संस्थानों की गरिमा को नहीं पहुंचनी चाहिए ठेस

दिल्ली सरकार ने कक्षा में रील या शॉर्ट वीडियो बनाने पर लगाया प्रतिबंध, विद्यालयों को दिए निर्देश

नई दिल्ली

■ शैक्षणिक गतिविधियों में कोई बाधा न आए और विद्यार्थियों की सुरक्षा व गोपनीयता का रखा

दिल्ली सरकार ने सभी विद्यालयों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी स्कूल के समय के दौरान रील या 'शॉर्ट वीडियो' न बनाएं। सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी गतिविधियों से शैक्षणिक कार्य, अनुशासन या संस्थानों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। शिक्षा निदेशालय ने जारी एक परिपत्र में कहा कि निदेशालय को इस बात की जानकारी मिली है कि स्कूल परिसर में मनोरंजन के लिए 'शॉर्ट वीडियो' बनाए जा रहे हैं और विद्यालय प्रमुखों को कक्षा के समय के दौरान ऐसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगानी चाहिए। निर्देश में इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षण प्रक्रिया को बाधित करने या विद्यार्थियों का ध्यान भटकाने वाली किसी भी गतिविधि पर रोक लगाई जानी चाहिए, संस्थानों की मर्यादा व गरिमा बनाए रखी जानी चाहिए और शिक्षा पर ही ध्यान केंद्रित रहना चाहिए। शिक्षा निदेशालय ने कहा हालांकि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति और शिक्षक की देखरेख में 'शैक्षणिक, सांस्कृतिक या जागरूकता संबंधी विषयों' से संबंधित सामग्री बनाई जा सकती है बशर्ते कि शैक्षणिक गतिविधियों में कोई बाधा न आए और विद्यार्थियों की सुरक्षा व गोपनीयता का ध्यान रखा जाए। निर्देश में यह भी बताया गया कि विद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की अनुचित, गैर-शैक्षणिक या प्रचार सामग्री रिकॉर्ड नहीं की जानी चाहिए। विभाग ने कहा कि सभी विद्यालय प्रमुखों को इन निर्देशों को कर्मचारियों व विद्यार्थियों तक पहुंचाने और इनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्देशों के उल्लंघन पर गंभीर कार्रवाई की जाएगी।ह विभाग ने इस मामले को 'अत्यंत आवश्यक' बताया।

गेट कॉप के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली। 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन करने के इच्छुक

उम्मीदवारों के लिए शानदार खबर है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आज यानी 26 मार्च से शुरू हो गई है। ऐसे में जिन इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों को इसके लिए आवेदन करना है, वे सभी आधिकारिक वेबसाइट coap2026.iitr.ac.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग, 3 जिंदा जले

बांदा। महोबा-बांदा नेशनल हाईवे पर दो ट्रकों की आमने-सामने की

भिड़ंत में 3लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना कस्बा थाना से 3 किमी दूर मुंडेरी मोड़ के पास हुई। कबरई से बांदा जा रहे गिट्टी भरे ट्रक के चालक सुरेश पांडे और महोबा जा रहे खाली ट्रक के चालक सूरज नाथ की मौत हो गई।

रोचक / शिखर चंद जैन

मूर्ख बनाने वाले ये पशु-पक्षी

बच्चो, इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी मूर्ख बनाने में पीछे नहीं होते। ये इतनी चालाकी से मूर्ख बनाते हैं कि कुछ आभास ही नहीं होता। पशु-पक्षी कभी अपने फायदे के लिए, कभी शिकार करने के लिए तो कभी अपनी जान बचाने के लिए दूसरे जंतुओं को मूर्ख बनाते हैं। अप्रैल फूल-डे के मौके पर हम तुम्हें मूर्ख बनाने वाले कुछ पशु-पक्षियों के बारे में बता रहे हैं।

कोयल कौवे को बनाती है मूर्ख

मादा कोयल बड़ी चतुर होती है। वह खुद घोंसला नहीं बनाती, चुपके से जाकर कौवे के घोंसले में अंडे दे आती है। चतुर कहलाने वाला कौवा, कोयल के इस कारनामे के आगे मात खा जाता है। कौवा, कोयल के अंडों को अपने अंडे समझकर सेता है, उसकी देखभाल करता है। दरअसल, कोयल के अंडे भी आकार और प्रकार में बिल्कुल कौवे के अंडे जैसे दिखते हैं। इस तरह कोयल, कौए को 'मूर्ख' बनाकर अपने अंडों की देखभाल करवा लेती है। *

ऑक्टोपस मिमिक्री से देता है धोखा

ऑक्टोपस एक समुद्री जंतु है। यह अपनी त्वचा का रंग और बनावट बदलने में माहिर होता है। यह मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया में, विशेषकर इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप के पास के समुद्रों में पाया जाता है। ऑक्टोपस इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के उथले, रेतीले और कीचड़ भरे पानी में रहने वाला एक अनूठा समुद्री जंतु है, जो 15 से अधिक समुद्री जीवों की मिमिक्री यानी नकल करने की क्षमता रखता है। कलाकार प्रकृति का यह ऑक्टोपस समुद्र के अन्य खतरनाक जंतुओं जैसे लॉयन फिश या समुद्री सांपों की नकल कर लेता है। यह अपनी एक्टिंग इस आधार पर चुनता है कि सामने कौन-सा शिकारी है, ताकि उसे डरा सके। इस तरह शिकारी को धोखा देकर अपनी जान बचा लेता है। *

किलडियर ड्रामेबाजी में माहिर

किलडियर मुख्य रूप से उत्तरी, मध्य और दक्षिणी अमेरिका के खुले, घास वाले मैदानों, खेतों, गोल्फ कोर्स और जल निकायों के किनारे पाए जाते हैं। ये कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कैरिबियन कंट्रीज में भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। यह प्लोवर प्रजाति का एक तटीय पक्षी है, जो जमीनी इलाकों में रहता है। जब कोई शिकारी, जैसे- कुत्ता, लोमड़ी या इंसान इसके जमीनी घोंसले के करीब आता है, तो मादा या नर किलडियर घोंसले से दूर जाकर जमीन पर लेट जाता है। यह अपने पंख को इस तरह फैलाता और फड़फड़ाता है, जैसे कि पंख टूट गया हो। यही नहीं ड्रामेबाज किलडियर लंगड़ाकर चलने लगता है और दर्द भरी आवाजें भी निकालने लगता है। यह सब देखकर शिकारी को लगता है कि यह पक्षी घायल हो गया है, इसे पकड़ना आसान है। जैसे ही शिकारी, इस पक्षी का पीछा करते हुए घोंसले से काफी दूर चला जाता है, किलडियर फुर्र से उड़ जाता है। कभी-कभी तो ये चतुर पक्षी शिकारी को भ्रमित करने के लिए किसी खाली जगह पर ऐसे बैठ जाता है, जैसे वहां उसका घोंसला हो, ताकि असली घोंसला सुरक्षित रहे। *

एंग्लर फिश टॉर्चनुमा अंग देता है चकमा

एंग्लर फिश मुख्य रूप से अटलांटिक और अंटार्कटिक महासागरों के बहुत गहरे और ठंडे पानी में पाई जाती है। यह मछली समुद्र की सतह से लगभग 600 मीटर से लेकर 8,370 मीटर (27,500 फीट से अधिक) की गहराई में रहती है। एंग्लर फिश दुनिया के सबसे अंधेरे और गहरे समुद्री इलाकों में रहने वाली एक रहस्यमयी मछली है। गहरे समुद्र के अंधेरे में रहने वाली इस मछली के सिर पर एक चमकता हुआ टॉर्चनुमा अंग होता है। छोटी मछलियां जब इस रोशनी को भोजन समझकर पास आती हैं, तब एंग्लर फिश तुरंत उन्हें निगल लेती है। *

फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो झूठा अलार्म बजाकर चुराता है खाना

फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो पक्षी, मुख्य रूप से अफ्रीका में सहारा मरुस्थल के दक्षिण में पाया जाता है। यह पक्षी खुले घास के मैदानों, झाड़ियों और हल्के घने वनों में रहता है। यह पक्षी अपनी गहरी कटी हुई पूंछ और निडर स्वभाव के लिए जाना जाता है। फोर्क-टेल्ड ड्रोंगो दूसरे जानवरों, जैसे कि मीयरकैट्स के खतरे वाली आवाजों की नकल करता है। जब मीयरकैट्स अपना खाना जुटा लेते हैं, तो ड्रोंगो झूठा अलार्म बजाता है। डर के मारे मीयरकैट्स अपना खाना छोड़कर भाग जाते हैं और फिर ड्रोंगो उसे चुराकर अपना पेट भर लेता है। *

छोटी कहानी

एक ठग ने अपने तोते को बस एक शब्द बोलना सिखाया था-यकीनन। इस शब्द के जरिए ठग ने एक युवक को ऐसा मूर्ख बनाया कि बेचारा हजार अशर्फियां गंवा बैठा। पढ़ो, बहुत ही मजेदार कहानी।

ठग का तोता

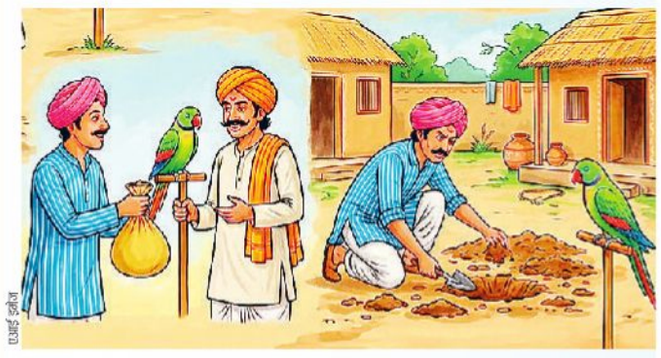

एक ठग के पास एक तोता था। उसने उसे सिर्फ एक ही शब्द बोलना सिखाया था-यकीनन। वह उस तोते के साथ एक गांव में आया। रात को उसने एक जगह एक छोटे से बक्से में सोने के सिक्के भरकर गाड़ दिए। अगले दिन वह फिर तोते के साथ वहां पहुंचा और उससे बातें करने लगा। उत्सुकतावश लोग वहां इकट्ठा होने लगे।

ठग ने तोते से पूछा, 'क्या तुम मुझे गड़े खजाने का पता बता सकते हो?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसने रात वाली जगह की ओर इशारा करके पूछा, 'अगर मैं वहां खोदूं तो क्या खजाना मिल सकता है?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसने खुदाई की तो लोग देखकर हैरान रह गए कि वहां वाकई खजाना निकला। यह सब देखकर एक लालची युवक ने उस ठग से पूछा, 'क्या वह तोता बेचेगा?'

ठग बोला, 'हां, बेच सकता हूं, लेकिन एक हजार अशर्फियों से कम नहीं लूंगा।'

युवक ने तोते का इतना अधिक दाम सुनकर पूछा, 'इतना ज्यादा?'

ठग बोला, 'तुम तोते से पूछ लो।'

युवक ने तोते से पूछा, 'क्या तुम इस लायक हो कि तुम्हारे लिए एक हजार अशर्फियां दी जाएं?'

तोते ने झट से उत्तर दिया, 'यकीनन।' युवक ने उस तोते को खरीद लिया। एक हजार अशर्फियां लेकर ठग अपने रास्ते चला गया।

युवक ने घर आकर तोते से पूछा, 'मुझे कहां खजाना मिलेगा?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

उसकी समझ में कुछ नहीं आया तो उसने एक जगह की ओर इशारा करके पूछा, 'क्या वहां खोदने पर खजाना मिल सकता है?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

युवक ने खोदा तो वहां कुछ नहीं निकला। वह तोते के पास आया और बोला, 'तुमने झूठ क्यों बोला?'

तोता बोला, 'यकीनन।'

ऐसे ही हर सवाल का जवाब जब उसे एक ही शब्द 'यकीनन' में मिला तो वह झुंझलाकर बोला, 'मैं क्या बेवकूफ हूं, जो तुम्हें एक हजार अशर्फियों में खरीदा?'

तोता फिर से बोल पड़ा- यकीनन।

ठग की चालाकी और अपने लालच, बेवकूफी की वजह से वह युवक यकीनन मूर्ख बन चुका था। *

प्रस्तुतिः एफएमएन

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

अप्रैल फूल

दिवस प्रथम अप्रैल आ गया
जब हंसता-सा भाई,
भालू जी ने नंदन-वन में
यह योजना बनाई!
गीदड़, लोमड़, शेर सभी को
संदेशा भिजवाया,
जंगल में मंगल करने को
समारोह रखवाया!
नियत जगह पर आ पहुंचे थे
बन-ठन प्राणी सारे,
मगर न कोई तैयारी थी
चकित हुए मन मारे!
देख सभी का सिर चकराया
चतुर लोमड़ी बोली,
आज प्रथम अप्रैल सुनो जी
मेरे सब हमजोली!
लौट के बुद्धू घर को आए
कहा-हो गई भूल,
एक साथ ही सभी जानवर
बने अप्रैल फूल!

बूझो तो जानें

1. मैं पूरब से चलता हूं,
दिनभर आग उगलता हूं।
शाम ढले छिप जाता हूं,
रात में नहीं निकलता हूं।

2. न तन सुंदर न गोरी
छौंक में आऊं काम,
सब्जी-दाल में डाली जाऊं
बूझो मेरा नाम।

3. चार अक्षर का नाम है,
कटे पे आऊं काम।
रंग श्वेत होता मेरा,
अधिक न मेरा दाम।

-वसीम अहमद नगरामी

उत्तर: 1.सूरज, 2. हींग, 3. फिटकरी

जीके क्विज-198

1. वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2026 में किस देश को पहला स्थान दिया गया है?
2. साहित्य अकादमी पुरस्कार 2025 (हिंदी भाषा के लिए) किन्हें प्रदान किया जाएगा?
3. विश्व स्वास्थ्य दिवस कब मनाया जाता है?
4. हाल में नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री का क्या नाम है?
5. जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर कौन थे?
6. हाल में ही किस युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया?
7. दिसपुर किस राज्य की राजधानी है?
8. अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे?
9. एक वयस्क मनुष्य में सामान्यत: कितने दांत पाए जाते हैं?
10. क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा देश कौन-सा है?

बच्चो, जीके क्विज-198 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमे पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-197 का उत्तर: 1.चंडीगढ़, 2.यूएसए, मैक्सिको, कनाडा, 3.असम, 4.मयंक चक्रवती, 5.महात्मा गांधी, 6.एम.एस. स्वामीनाथन, 7. 27 मार्च, 8.ऑक्सीजन, 9.अलेक्जेंडर फ्लेमिंग, 10.महाराष्ट्र

जीके क्विज-197 का सही उत्तर देने वाले: अनुभव-राजनांदगांव, रमेश-बैकुंठपुर, कबीर-हिसार, उर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, कविता-रायपुर, कुसुम-दुर्ग, तनिष्क-रोहतक, कोमल-बिलासपुर, रचित-महासमुंद, आकाश-बलौदा बाजार, संकेत-बालोद, अंकित-रायगढ़, सूरज-महेंद्रगढ़, प्रिया-दिल्ली, जतिन-कांकेर, सुमन-दुर्ग

कहानी

हरीश कुमार 'अमित'

रोहित का अपने दादा जी से रिश्ता एकदम दोस्त जैसा था। दोनों एक-दूसरे के साथ खूब हंसी-मजाक करते थे। रोहित ने पहली अप्रैल को अपने दादा जी को अप्रैल फूल बनाने को सोची। लेकिन दादा जी ने ऐसा चकमा दिया कि रोहित खुद ही अप्रैल फूल बन गया।

अप्रैल फूल बनाया!

इन दिनों रोहित बहुत खुश था। खुश इसलिए क्योंकि उसके दादा जी गांव से उसके पास यहां, रायपुर जो आए हुए थे। पांचवीं कक्षा की उसकी परीक्षाएं खत्म हो चुकी थीं। इन दिनों उसके स्कूल में छुट्टियां थीं। दादा जी और रोहित में उम्र का बहुत बड़ा फासला था लेकिन दोनों के बीच दोस्तों जैसा रिश्ता था। वे दोनों आपस में खूब हंसी-मजाक और चुहल करते रहते।

एक दिन रोहित के दिमाग में आया कि क्यों न दादा जी को पहली अप्रैल को अप्रैल फूल बनाया जाए। ऐसा करने के लिए वह कोई तरकीब सोचने लगा। थोड़ा सोचने पर उसे एक तरकीब सूझ गई।

दादा जी सुबह जल्दी उठ जाते थे, फिर नहा-धोकर तैयार होकर पार्क में सैर करने जाते थे। पार्क में सैर करने के लिए आने वाले अशोक जी से उनकी दोस्ती हो गई थी। वे दोनों हर रोज साथ में ही सैर किया करते थे। रोहित ने योजना बनाई कि पहली अप्रैल की सुबह दादा जी को कह देगा कि अशोक अंकल ने फोन पर बताया है कि आज वे पार्क में नहीं जाएंगे, बल्कि दादा जी से मिलने घर आएंगे। रोहित ने सोचा कि ऐसा कहने पर दादा जी सैर करने नहीं जाएंगे और अशोक अंकल का इंतजार करते हुए घर में ही रहेंगे। इस तरह दादा जी अप्रैल फूल बन जाएंगे।

दादा जी रोहित के कमरे में ही सोते थे। इकतीस मार्च की रात को सोने से पहले रोहित ने दादा जी के मोबाइल फोन पर सुबह पांच बजे का अलार्म लगा दिया ताकि वह पहली अप्रैल की सुबह दादा जी से अशोक अंकल वाली बात कह सके। अगली सुबह अलार्म बजने पर रोहित की नींद खुली तो उसने देखा कि दादा जी अभी सो रहे हैं। वह दादा जी के जागने का इंतजार करने लगा। कुछ देर बाद जैसे ही दादा जी जागे, रोहित ने अशोक जी के आज सुबह घर में आने की बात उन्हें बता दी। सुनकर दादा जी ने पूछा, 'तुम्हें यह कैसे पता है?' रोहित ने बताया, 'दादा जी, कल रात को अशोक अंकल ने लैंडलाइन फोन पर कॉल कर सूचित किया था। आपके मोबाइल फोन पर उनकी बात हो नहीं पा रही थी। यह सब कल रात को आपको बताना मैं भूल गया था।'

'तो ठीक है, मैं आज पार्क नहीं जाता। अशोक जी के आने से पहले नहा-धोकर तैयार हो जाता हूं।' कहकर दादा जी कमरे से निकल कर आंगन में बने बाथरूम में चले गए। रोहित को लगा कि उसकी योजना सफल हो रही है। वह निश्चिंत होकर बिस्तर में लेट गया। कुछ ही देर में उसे नींद आ गई।

थोड़ी देर बाद उसकी नींद खुली तो वह उठकर आंगन में गया। उसने देखा कि दादा जी का तौलिया आंगन में लगी रस्सी पर नहीं है और बाथरूम का दरवाजा बंद है। वह समझ गया कि दादा जी बाथरूम में नहा रहे हैं। रोहित आंगन में एक कुर्सी पर बैठ कर दादा जी के बाथरूम से बाहर आने का इंतजार करने लगा ताकि उन्हें देखते ही 'अप्रैल फूल बनाया!' कह सके, मगर बहुत वक्त बीत जाने पर भी दादा जी बाहर नहीं आए। रोहित को हैरानी हो रही थी कि आज दादा जी इतनी देर तक क्यों नहा रहे हैं? आखिर उससे रहा न गया और वह मम्मी-पापा के कमरे की तरफ चल पड़ा। कमरे में पापा कुर्सी पर बैठे अखबार पढ़ रहे थे। वह पापा से दादा जी के बारे में बात करना ही चाहता था कि तभी दरवाजे की घंटी बजी। पापा उठकर दरवाजा खोलने गए तो वह उनके साथ हो लिया। पापा ने दरवाजा खोला तो सामने दादा जी खड़े थे। 'पिता जी, आ गए आप सैर करके?' पापा ने दादा जी से पूछा। 'हां, बेटा।' कहते हुए दादा जी घर के अंदर आ गए। रोहित को हैरानी हो रही थी कि दादा जी बाहर से कैसे आ रहे हैं। उसके हिसाब से तो दादा जी को बाथरूम में होना चाहिए था। उसने हैरानी से दादा जी की ओर देखा, वह हंसते हुए बोले, 'अप्रैल फूल बनाया..!' 'पर दादा जी, आप तो बाथरूम में थे न!' रोहित ने हैरानी से पूछा। 'बेटा, बाथरूम में कोई नहीं था। बस यह जताने के लिए कि मैं बाथरूम के अंदर हूं, नहाने के बाद मैंने अपना तौलिया बाथरूम के अंदर ही रहने दिया था, आंगन में रस्सी पर नहीं फैलाया था और बाथरूम का दरवाजा बंद करके सैर करने चला गया था। जाने से पहले तुम्हारे मम्मी-पापा को सारी बात मैंने बता दी थी। तुम मुझे अप्रैल फूल बनाने के चक्कर में हो, इस बात का अंदाजा मुझे तभी हो गया था, जब कल रात तुमने मेरे फोन में सुबह पांच बजे का अलार्म लगाया था। तुम तो सुबह इतनी जल्दी कभी उठते नहीं हो और सुबह उठने के लिए मुझे अलार्म की जरूरत होती ही नहीं। आज सुबह अलार्म बजने से पहले ही मेरी नींद खुल चुकी थी और मैं सोने का नाटक कर रहा था। एक बात और सुन लो, अशोक जी तो इन दिनों रायपुर में हैं ही नहीं। वे तो किसी काम से भोपाल गए हैं।' दादा जी मुस्कुराते हुए सारी बात बता रहे थे और रोहित सुन रहा था। दादा जी को अप्रैल फूल बनाने के चक्कर में खुद वही अप्रैल फूल बन गया था। *

तुम्हारे लिए किताब / समीर गांगुली

आओ, नाटक खेलें

बच्चो, पिछले दिनों एक अच्छी किताब पढ़ी। जिसे पढ़कर लगा कि इसके बारे में तुम लोगों को जरूर बताना चाहिए। यह किताब नाटक की है, लेकिन इसमें कोई नाटक नहीं है, बल्कि इस बारे में है कि तुम लोग कैसे नाटक बना कर उसे खेल सकते हो?

उमा आनंद लिखित 'आओ, नाटक खेलें' नाम की यह किताब पहली बार 1971 में प्रकाशित हुई थी। अब तक इसकी चौंतीस आवृत्तियां आ चुकी हैं, जो बताती है कि यह किताब कितनी लोकप्रिय है। इसमें कहानी-कहानी में रोचक तरीके से और एक पेशेवर नाटक निर्देशक के जरिए नाटक के सभी अंगों जैसे-पात्र, परिवेश, रंगमंच व्यवस्था, वस्त्र-सज्जा, सामग्री व्यवस्था, रिहर्सल, दर्शकों तक पहुंचने और नाटक के चयन की जानकारी दी गई है। बच्चो, तुम जब इस किताब को पढ़ोगे तो पता चल जाएगा कि कोई नाटक कैसे तैयार होता है? फिर इस कहानी के पात्र दीपक, डीडो, पारो और टप्पो की तरह तुम भी अपनी कॉलोनी या स्कूल में कोई नाटक खेल सकते हो। नाटक की अपने तरह की इस अनूठी किताब को पढ़कर तुम्हें भी लगेगा 'वाह! यह किताब कितनी अच्छी है। नाटक के बारे में बहुत सरल और रोचक ढंग से जानकारी देती है।' तो तुम भी यह रोचक किताब मंगवाकर पढ़ो। नाटक से संबंधित बारीकियां सीखो, खुद नाटक खेलो और वाहवाही पाओ। *

किताब: आओ, नाटक खेलें, **लेखक**: उमा आनंद, **अनुवादक**: बलराज पंडित, **मूल्य**: 55 रुपए, **प्रकाशक**: नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

रंग भरो-198

रंग भरो-198 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

ईशानी, बिलासपुर

प्रत्यूषा, राजनांदगांव

प्रणीका, बिलासपुर

आदित्य, खैरागढ़

शिफा, महासमुंद

समृद्धि, शहडोल

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

काशवी-रायपुर, प्रभु-कोरबा, प्रगति-बिलासपुर, शैलेश-राजनांदगांव, हिमांशु-राजनांदगांव, लोकेश-जबलपुर, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सर्वेश-कोरबा, कुसुम-बलौदा बाजार

रंग भरो 199

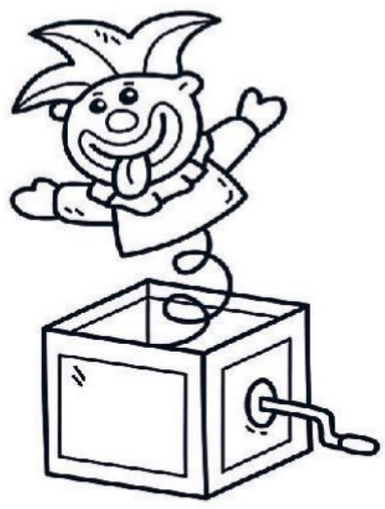

बच्चो, यहां अप्रैल फूल-डे से रिलेटेड प्रैंक-ट्वॉय का एक ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी

सान्या मल्होत्रा

ने शुरू की 'सुंदर पूनम' की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'सुंदर पूनम' की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- 'सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।'इस फिल्म का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। वहीं फिल्म में सान्या के साथ आदित्य रावल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह प्रोजेक्ट प्राइम वीडियो के 2026 के स्लेट का हिस्सा है।हाल ही में फिल्म मेकर्स ने 'सुंदर पूनम' का फर्स्ट लुक वीडियो जारी किया था, जिसमें सान्या मल्होत्रा दुल्हन बनी नजर आई। वीडियो में देखा जा सकता है कि सान्या के किरदार पूनम का फोन लगातार रिंग हो रहा है, जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहे हैं। आखिर में दुल्हन बनी सान्या मुस्कुराती है और इसके बाद एक खबर की आवाज सुनाई देती है कि एक शादीशुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।फिल्म की कहानी के बारे में बात करें तो 'सुंदर पूनम' में लव स्टोरी के साथ-साथ सस्पेंस और क्राइम का तड़का भी देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक वास्तविक घटना से प्रेरित है। कहा जा रहा है कि यह 2025 में सामने आए एक चर्चित हनीमून मर्डर केस पर आधारित हो सकती है, जिसमें शादी के तुरंत बाद एक कारोबारी की हत्या कर दी गई थी।इस फिल्म में एक नया शादीशुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। इस दौरान उनके अचानक लापता होने की खबर सामने आती है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा हैरान करने वाला सच भी सामने आता है। फिल्म की कहानी दर्शकों को चौंका देगी।

आसान नहीं था टीवी से बॉलीवुड का सफर

उल्का गुप्ता

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।'' उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया।इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

अदिति राव हैदरी

ने फैशन डिजाइन में रखा पहला कदम, सत्य पॉल के साथ पेश किया कलेक्शन

सत्य पॉल ने लकमे फैशन वीक में अदिती राव हैदरी के साथ मिलकर एक खास कलेक्शन पेश किया। यह अदिति का फैशन डिज़ाइन में पहला कदम है, जहाँ उन्होंने सह-रचनात्मक निदेशक के रूप में काम किया। इस कलेक्शन में चमकीले रंग, सुंदर चित्रकारी और आधुनिक डिज़ाइन का मेल है। इसमें अलग-अलग तरह के कपड़े शामिल हैं, जो आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी के हिसाब से बनाए गए हैं और हर मौके पर आसानी से पहने जा सकते हैं। कलेक्शन में सत्य पॉल की पहचान–रंगों और प्रिंट–को ध्यान में रखते हुए व्याध-पतंग (ड्रैगनफ्लाई), फूल और अमूर्त डिज़ाइन जैसे रूपों का उपयोग किया गया है। ये डिज़ाइन कपड़ों पर छपाई, सजावट और हल्के काम के रूप में दिखते हैं। इस कलेक्शन को इस तरह बनाया गया है कि इसे अलग-अलग तरीकों से पहना जा सके। पारंपरिक साड़ी के साथ आधुनिक कपड़ों जैसे हल्के पारदर्शी जैकेट और लंबे ढीले कोट को जोड़कर नया और आकर्षक रूप दिया गया है। अदिति राव हैदरी ने कहा कि यह कलेक्शन उनके लिए बहुत खास अनुभव रहा। इसमें उन्होंने अपनी पसंद–कला, रंग और कहानी–को खुलकर दिखाया। उनके अनुसार, यह कलेक्शन सरल, स्वाभाविक और उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है, जहाँ नारीत्व की कोमलता और ताकत दोनों साथ हैं। सत्य पॉल के रचनात्मक निदेशकों ने कहा कि अदिति के साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके नए विचार और रंगों की समझ इस कलेक्शन में साफ दिखाई देती है। इस सहयोग के जरिए साड़ी को नए और आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया गया है, जबकि उसकी पारंपरिक सुंदरता को भी बनाए रखा गया है।

बालाजी टेलीफिल्म्स, एलिप्सिस एंटरटेनमेंट, सुधीर चौधरी और विष्णु वर्धन एक बड़ी राजनैतिक थ्रिलर फिल्म द टेरर रिपोर्ट के लिए आए एक साथ आए

पत्रकारिता और सिनेमा के इस अनूठे मेल में, बालाजी टेलीफिल्म्स और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट ने प्रसिद्ध समाचार पत्रकार सुधीर चौधरी की कंपनी एस्प्रिट प्रोडक्शंस के साथ साझेदारी की है। शेरशाह जैसी सफल फिल्म बनाने वाले विष्णु वर्धन इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित होगी, जिसमें भारत पर हुए आतंकी हमलों और देश की ओर से किए गए कड़े पलटवार को दिखाया जाएगा।द साबरमती रिपोर्ट की अगली कड़ी के रूप में, यह फिल्म सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाई को विस्तार से दिखाएगी। इसमें जांच की पेचीदगियों, खुफिया अभियानों और देश की सुरक्षा से जुड़ी हालिया बड़ी घटनाओं को गहराई से पिरोया गया है।इस प्रोजेक्ट में बालाजी और एलिप्सिस की रचनात्मक ताकत, सुधीर चौधरी का पत्रकारिता का अनुभव और विष्णु वर्धन की बेहतरीन निर्देशन शैली एक साथ नज़र आएगी। इसके निर्माता एकता कपूर, शोभा कपूर, तनुज गर्ग, अतुल कसबेकर और सुधीर चौधरी हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी

ने शेयर किया अपना स्टाइल मंत्र, कहा- नेचुरल रहना ही है असली स्वैग

आज के दौर में जहां सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। कलाकारों पर भी हर समय 'परफेक्ट' दिखने का मनोवैज्ञानिक दबाव रहता है। हालांकि, अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी की सोच इससे अलग है। वे अभिनय को सर्वोपरि मानते हैं और अन्य दिखावे की चीजों को सेकेंडरी रखते हैं। इस कड़ी में उन्होंने फैशन और एक्टिंग को लेकर अपने दिल की बात साझा की। आईएएनएस से बात करते हुए सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, ''मुझे फैशन को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। मेरा असली फोकस हमेशा से एक्टिंग पर रहा है और वही मेरी पहचान है। मैंने इंडस्ट्री में कदम ही एक्टर बनने के लिए रखा था और आज जब मुझे वह मौका मिल गया है, तो वही मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।'' सिद्धांत ने कहा, ''फैशन मेरे लिए कोई अलग से करने वाली चीज नहीं है। फिल्मों में मुझे अच्छे कपड़े पहनने को मिलते हैं और वही मेरा स्टाइल बन जाता है। मुझे फैशन को लेकर ज्यादा सोचना नहीं पड़ता, मैं परफेक्ट दिखने के दबाव को अपने ऊपर हावी नहीं होने देता।''फैशन को लेकर अपनी सोच जाहिर करते हुए सिद्धांत ने कहा, ''मेरे हिसाब से सबसे ज्यादा स्टाइलिश वही इंसान होता है जो ज्यादा सोचता नहीं है और थोड़ा रिलैक्स रहता है। असली स्टाइल किसी के कपड़ों से नहीं, बल्कि पर्सनैलिटी से झलकता है। जब इंसान खुद जैसा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास ही उसका स्वैग बन जाता है।''उन्होंने कहा, ''अगर कोई व्यक्ति फैशन को लेकर जरूरत से ज्यादा सोचने लगता है, तो वह दूसरों जैसा बनने की कोशिश करने लगता है। इससे उसकी अपनी पहचान कहीं खो जाती है। फैशन में सबसे जरूरी है नेचुरल रहना और खुद को एक्सप्रेस करना, ना कि किसी ट्रेंड के पीछे भागना।''

आज की फिल्मों में इमोशन्स गायब हो गए हैं

इमरान खान

आज के समय में फिल्म इंडस्ट्री तेजी से बदल रही है। हर हफ्ते नई फिल्में रिलीज हो रही हैं, लेकिन इसके बावजूद कई दर्शकों को लगता है कि फिल्मों में पहले जैसी बात नहीं रही। सोशल मीडिया पर भी इस बात को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है कि आज की फिल्मों में मनोरंजन तो है, लेकिन दिल से जुड़ाव कम हो गया है। इसी मुद्दे पर अब अभिनेता इमरान खान ने भी अपनी राय खुलकर रखी है। इमरान खान ने एक बातचीत के दौरान कहा कि आजकल ज्यादातर फिल्में सिर्फ पैसे कमाने के लिए बनाई जा रही हैं। सीक्वल फिल्मों की भरमार है, जिनका पहले की कहानी से ज्यादा संबंध नहीं होता। हर हफ्ते एक्शन फिल्में आ रही हैं, लेकिन पहले की तरह दिल को सुकून देने वाली फिल्में कम हो गई हैं। आजकल की फिल्मों से इमोशन्स गायब हो गए है ।

सात समंदर पार 'धुरंधर' का डंका

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' को ज्यादातर लोगों ने सिनेमाघरों में जाकर देख ही ली है, और जिन्होंने नहीं देखी, उन्होंने इसका फेमस टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' तो जरूर सुना होगा। फिल्म की वैश्विक लोकप्रियता से तो ज्यादातर लोग वाकिफ थे, लेकिन अब इस गाने ने वैश्विक स्तर पर नई लोकप्रियता हासिल कर ली है। दरअसल, हाल ही में अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर में एनबीए मैच के दौरान फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' बजाया गया। मैच शुरू होने से ठीक पहले मशहूर डांस ग्रुप 'भांगड़ा एम्पायर' ने इसी गाने पर शानदार परफॉर्मेंस दी।डांसर्स ने पारंपरिक पंजाबी कपड़े पहने हुए थे। वे रंग-बिरंगे कपड़ों में जोश के साथ भांगड़ा कर रहे थे। उनके मजेदार डांस और धुरंधर के धमाकेदार बीट्स से पूरा स्टेडियम गूंजा उठा। यह मैच गोल्डन स्टेट वॉरियर्स और मिलवॉकी बक्स के बीच खेला जा रहा था।'भांगड़ा एम्पायर' का डांस वीडियो काफी वायरल हो गया। कई लोग इसे सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। इसी कड़ी में अभिनेता अर्जुन रामपाल, जिन्होंने फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, ने भी वीडियो को अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया।फिल्म का टाइटल ट्रैक 'ना दिल दे परदेसी नू' 1995 के प्रसिद्ध पंजाबी लोकगीत 'जोगी' का रीमेक है। इस मूल गाने को चरणजीत आहूजा ने संगीतबद्ध किया था, जिसे मोहम्मद सादिक और रंजीत कौर ने गाया था और बाबू सिंह मान ने लिखा था। इस नए संस्करण को शाश्वत सचदेव ने कंपोज किया है और हनुमानकाइंड और जैस्मीन सैंडलस ने गाया है।2000 के शुरुआती सालों में रिलीज हुआ गाना 'जोगी' पंजाबी लोक संगीत को हिप हॉप बीट्स और ग्लोबल रिदम के साथ जोड़ता है। उस समय यह एकदम नया और ताजा लगता था, जब फ्यूजन म्यूजिक इतना आम नहीं हुआ था।इस गाने ने उस समय सिर्फ ट्रेंड सेट नहीं किया था बल्कि, कई देशों में पहुंचकर कलाकारों को प्रेरित भी किया था। इसने दिखा दिया कि भारतीय संगीत अपनी जड़ों को बनाए रखते हुए भी पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो सकता है।

(साभार एजेंसी)

जूनियर स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में सोनीपत व साई भिवानी का दबदबा

रोहतक 'बी' व हिसार रहे उपविजेता, रोमांचक मुकाबलों के साथ प्रतियोगिता का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सुनारियां गांव में हरियाणा बॉक्सिंग संघ के तत्वावधान में आयोजित 5वीं जूनियर बालक-बालिका स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का वीरवार को भव्य समापन हो गया। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन अवसर पर इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनेश लाकड़ा, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, भाजपा नेता सतीश नांदल और सुमित मलिक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। जूनियर ब्वायज वर्ग में 44-46 किलोग्राम में उदय सिंह ने स्वर्ण, चिराग ने रजत तथा राज व अंश ने कांस्य पदक हासिल किया। 46-48 में दक्ष स्वर्ण, शिवम रजत, सचिन व दीपांशु कांस्य विजेता रहे। 48-50 में यश यादव स्वर्ण, गौरव रजत, नैतिक व गुरप्रीत कांस्य पर रहे। इसी प्रकार अन्य भार वर्गों में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। जूनियर गर्ल्स वर्ग में भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। 44-46 किलोग्राम में राखी ने स्वर्ण, भूमि ने रजत और निश्चल व अन्नु ने कांस्य पदक जीते। 46-48 में सोनिका स्वर्ण, काफ़ी रजत तथा दिव्या व हिमानी रानी कांस्य विजेता रहीं। अन्य भार वर्गों में भी बेटियों ने शानदार खेल दिखाते हुए कई पदक अपने नाम किए और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया।

रोहतक। बाक्सिंग प्रतियोगिता में दमखम दिखाते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा की धरती खेल प्रतिभाओं से भरी हुई

हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि हरियाणा की धरती खेल प्रतिभाओं से भरी हुई है और बॉक्सिंग में प्रदेश लगातार देश-विदेश में नाम कमा रहा है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को मंच प्रदान करती हैं, जिससे वे अपने हुनर को निखारते हैं। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य ग्रामीण स्तर तक खेलों को बढ़ावा देना है, ताकि अधिक से अधिक युवा खेलों से जुड़ सकें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें।

हार-जीत खेल का हिस्सा: अर्जुन चौटाला

विधायक अर्जुन चौटाला ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन निरंतर मेहनत ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समापन समारोह में विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह चैंपियनशिप प्रदेश में खेलों के बढ़ते स्तर और युवाओं के जोश का प्रतीक बनकर सामने आई।

खबर संक्षेप

विश्व कप फुटबॉल के अतिरिक्त टिकटों की बिक्री एक अप्रैल से

लंदन। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि विश्व कप टिकटों के अंतिम दौर की बिक्री एक अप्रैल से शुरू होगी।फीफा ने कहा कि दिसंबर और फरवरी के बीच पिछली बिक्री के अंत तक दस लाख से अधिक टिकट बिक चुके थे और अतिरिक्त टिकट एक अप्रैल से टूर्नामेंट के अंत तक आम बिक्री के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा। फीफा को टिकटों की कीमत को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर में टिकटों की बिक्री आम जनता के लिए शुरू की गई थी और तब फुटबॉल प्रेमियों ने फीफा पर विश्वासघात का आरोप लगाया था क्योंकि ग्रुप चरण का सबसे कम कीमत वाला टिकट 140 डॉलर का था जबकि फाइनल के टिकटों की कीमत 8680 डॉलर तक थी।

गोल्फ चैंपियनशिप में सुनीत ने दर्ज की जीत

पटना। सुनीत चौरसिया ने डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई की चौथी प्रतियोगिता अल्फा स्पोर्ट्स एकेडमी गोल्फ चैंपियनशिप में एक शॉट से जीत दर्ज की। कोलकाता के चौरसिया (71-65-73) ने तीसरे और अंतिम दौर में 73 का स्कोर बनाकर अपना पहला खिताब जीता। उनका कुल स्कोर सात-अंडर 209 रहा। वह दिग्गज गोल्फर एसएसपी चौरसिया के भतीजे हैं। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को इस जीत से 3,17,875 रुपये की पुरस्कार राशि मिली जिससे वह 2026 डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन ऑर्डर ऑफ मेरिट में 41वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गए। बिपिन मुखिया (68-75-67) ने आखिरी दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 67 बनाया और चार स्थान ऊपर चढ़कर छह-अंडर 210 के स्कोर के साथ उपविजेता रहे।

बेंगलुरु एफसी ने पेप मुनोज को मुख्य कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु। बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को 2026-27 के सत्र के अंत तक के लिए नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। मुनोज के साथ फेरान बोर्रास भी बेंगलुरु की टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। मुनोज ने इससे पहले एफसी बार्सिलोना के युवा सेटअप में बारका अंडर-19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है। बेंगलुरु एफसी का मुख्य कोच बनने से पहले वह कंबोडिया में प्रेह खान रीच स्वे रींग के साथ यह भूमिका निभा रहे थे। कंबोडिया के क्लब के साथ उन्होंने दो साल का सफल कार्यकाल बिताया, जिसमें क्लब ने दो बार लीग और एक बार लीग कप जीता और इसके साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल में भी पहुंचा।

आईपीएल-2026: पहला मैच बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच 28 को

आईपीएल में आरसीबी ने खेले हैं 4 फाइनल मैच एक बार जीता खिताब, फिर चुनौती देने तैयार

एजेंसी ⏭ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गत विजेता के रूप में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। आरसीबी ने अब तक आईपीएल के इतिहास में सिर्फ एक खिताब जीता है। हालांकि, ये टीम 3 बार उपविजेता भी रही है। हालांकि आईपीएल में आरसीबी ने यादगार पारियां खेलीं हैं और उसके फैंस को उम्मीद है कि इस बार आरसीबी फिर विजेता का खिताब अपने नाम करेगी।

2009 में उपविजेता रही थी आरसीबी

आईपीएल 2009 दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था, जिसमें आरसीबी की टीम उपविजेता रही थी। जोहान्सबर्ग में हुए आईपीएल 2009 के फाइनल में पहले गेंदबाजी करते हुए आरसीबी ने डेक्कन चार्जर्स को सिर्फ 143/6 के स्कोर पर रोक दिया था। जवाब में आरसीबी ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम पूरे ओवर खेलने के बाद 137/9 का स्कोर ही बना सकी थी। उस सीजन में आरसीबी के कप्तान अनिल कुंबले थे।

आरसीबी ने जीता ऐतिहासिक खिताब

आईपीएल 2025 में आरसीबी ने लीग स्टेज के 14 में से 9 मैच जीते और 4 में शिकस्त (बेनतीजा-1) झेली थी। अंक तालिका में आरसीबी की टीम पीबीकेएस के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। आरसीबी ने क्वालीफायर-1 में पीबीकेएस को 8 विकेट से हराते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया था। फाइनल में आरसीबी ने पीबीकेएस को 6 रन से हराया था। पाटीदार ने टीम की कप्तानी करते हुए नया इतिहास लिखा था।

2011 में सीएसके के खिलाफ हारी थी आरसीबी

आईपीएल 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में आरसीबी ने लीग स्टेज के 9 मैच जीते और 4 में हार झेली थी। अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी। फाइनल में माइकल हसी (63) और मुरली विजय (95) की उम्दा पारियों की बदौलत सीएसके ने 205/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में आरसीबी केवल 147/8 का स्कोर ही बना सकी थी।

आईपीएल 2026 मैच फेज-2 का शेड्यूल

मैच	तारीख	दिन	समय	होम टीम	अवे टीम	वेन्यू
36	25-अप्रैल-26	शनिवार	7:30 PM	सनराइजर्स हैदराबाद	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
37	26-अप्रैल-26	रविवार	3:30 PM	चेन्नई सुपर किंग्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
38	26-अप्रैल-26	रविवार	7:30 PM	कोलकाता नाइट राइडर्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
39	27-अप्रैल-26	सोमवार	7:30 PM	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
40	28-अप्रैल-26	मंगलवार	7:30 PM	राजस्थान रॉयल्स	पंजाब किंग्स	न्यू चंडीगढ़
41	29-अप्रैल-26	बुधवार	7:30 PM	सनराइजर्स हैदराबाद	मुंबई इंडियंस	मुंबई
42	30-अप्रैल-26	गुरुवार	7:30 PM	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
43	01-मई-26	शुक्रवार	7:30 PM	दिल्ली कैपिटल्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
44	02-मई-26	शनिवार	7:30 PM	मुंबई इंडियंस	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
45	03-मई-26	रविवार	3:30 PM	कोलकाता नाइट राइडर्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
46	03-मई-26	रविवार	7:30 PM	पंजाब किंग्स	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
47	04-मई-26	सोमवार	7:30 PM	लखनऊ सुपर जायंट्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
48	05-मई-26	मंगलवार	7:30 PM	चेन्नई सुपर किंग्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
49	06-मई-26	बुधवार	7:30 PM	पंजाब किंग्स	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
50	07-मई-26	गुरुवार	7:30 PM	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
51	08-मई-26	शुक्रवार	7:30 PM	कोलकाता नाइट राइडर्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
52	09-मई-26	शनिवार	7:30 PM	गुजरात टाइटंस	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
53	10-मई-26	रविवार	3:30 PM	लखनऊ सुपर जायंट्स	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
54	10-मई-26	रविवार	7:30 PM	मुंबई इंडियंस	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
55	11-मई-26	सोमवार	7:30 PM	दिल्ली कैपिटल्स	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
56	12-मई-26	मंगलवार	7:30 PM	सनराइजर्स हैदराबाद	गुजरात टाइटंस	अहमदाबाद
57	13-मई-26	बुधवार	7:30 PM	कोलकाता नाइट राइडर्स	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रायपुर
58	14-मई-26	गुरुवार	7:30 PM	मुंबई इंडियंस	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
59	15-मई-26	शुक्रवार	7:30 PM	चेन्नई सुपर किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
60	16-मई-26	शनिवार	7:30 PM	गुजरात टाइटंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
61	17-मई-26	रविवार	3:30 PM	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	पंजाब किंग्स	धर्मशाला
62	17-मई-26	रविवार	7:30 PM	राजस्थान रॉयल्स	दिल्ली कैपिटल्स	दिल्ली
63	18-मई-26	सोमवार	7:30 PM	सनराइजर्स हैदराबाद	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
64	19-मई-26	मंगलवार	7:30 PM	लखनऊ सुपर जायंट्स	राजस्थान रॉयल्स	जयपुर
65	20-मई-26	बुधवार	7:30 PM	मुंबई इंडियंस	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता
66	21-मई-26	गुरुवार	7:30 PM	गुजरात टाइटंस	चेन्नई सुपर किंग्स	चेन्नई
67	22-मई-26	शुक्रवार	7:30 PM	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	सनराइजर्स हैदराबाद	हैदराबाद
68	23-मई-26	शनिवार	7:30 PM	पंजाब किंग्स	लखनऊ सुपर जायंट्स	लखनऊ
69	24-मई-26	रविवार	3:30 PM	राजस्थान रॉयल्स	मुंबई इंडियंस	मुंबई
70	24-मई-26	रविवार	7:30 PM	दिल्ली कैपिटल्स	कोलकाता नाइट राइडर्स	कोलकाता

टीम इंडिया इस साल 17 शहरों में खेलेगी 22 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले चार देशों की टीमें आएंगी खेलने

एशिया कप में कंपाउंड तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी ⏭ बैंकॉक

एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने अपना दबदबा कायम रखा तथा रजत चौहान और चिकिता तनिपार्थी की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित जोड़ी फाइनल में पहुंच गई, लेकिन रिकर्व तीरंदाजों को निराशा ही हाथ लगी। भारत के दो कांस्य पदक पहले ही पक्के हो चुके हैं, जबकि पांच खिलाड़ी फाइनल में हैं। इसके अलावा भारत दो और कांस्य पदकों के लिए दावेदार है, जिससे वह पिछले साल के आठ पदकों (पांच स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य) के रिकॉर्ड को तोड़ने के करीब पहुंच गया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी होने के कारण क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश पाने वाले चौहान और तनिपार्थी ने लगातार दो जीत हासिल करके अपनी उत्कृष्टता साबित की।

चीन और कजाकिस्तान को हराया

भारत की मिश्रित टीम जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को 159-155 से हराया और फिर सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान को 157-153 से पराजित किया। दोनों मैचों में 32 तीरों के बीच संभावित 320 अंकों में से भारतीय जोड़ी ने केवल चार अंक गंवाए, जिससे उनके दबदबे का पता चलता है। इससे उन्होंने देश के लिए कुल मिलाकर छठा पदक पक्का कर दिया।

महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में रिधि फाइनल में

महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में हरियाणा की उभरती हुई तीरंदाज रिधि फोर फाइनल में पहुंच गई हैं और उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतना होगा। भारत ने बुधवार को दो कांस्य पदक जीतकर अपना खाता खोला था। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कंबोज की अनुभवी पुरुष कंपाउंड टीम तथा रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिधि की महिला रिकर्व टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था।

पुरुषों की सेल्फ स्पर्धा में दो पदक पक्के

पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में देश का स्वर्ण और रजत पदक सुनिश्चित है, क्योंकि प्रथमेश जवकर और उदय कंबोज के बीच फाइनल होगा, जबकि रजत चौहान कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स: छग की अनुष्का को दूसरा पदक, वेटलिफ्टिंग में इसाक ने जीता स्वर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के खास रहा। नौवीं तैराक अनुष्का भगत ने महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में दूसरा स्थान हासिल कर अपना दूसरा रजत पदक जीतने में सफल हुई। इसके साथ ही कर्नाटक के तैराक मणिकांता एल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अपना तीसरा लगातार स्वर्ण पदक जीतकर स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की। वहीं ओडिशा की अंजलि मुंडा ने महिलाओं की स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के इस पहले संस्करण में 30 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें लगभग 3800 खिलाड़ी नौ खेलों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती में कुल 106 स्वर्ण पदक दांव पर हैं, जबकि मल्लखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है।

15 वर्षीय अंजलि बनीं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता

निखिल ने कांस्य पदक जीता

खेलो इंडिया ट्राइबल नेशनल स्विमिंग प्रतियोगिता के पहले ही दिन भोई स्विमिंग एकेडमी के तैराक निखिल ने शानदार शुरुआत की है। उन्होंने 100 मीटर बेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में 1:11:77 मिनट का समय निकालते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

कर्नाटक छह स्वर्ण और दो रजत के साथ शीर्ष पर

कर्नाटक के तैराक मणिकांता, जिन्होंने बुधवार को 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक और 50 मीटर बटरफ्लाई में स्वर्ण पदक जीते थे, ने अपना दबदबा जारी रखते हुए 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले 2:25.93 सेकंड में जीत लिया। त्रिपुरा के रियाज त्रिपुरा (2:34.04 सेकंड) ने रजत और ओडिशा के कान्हू सोरेन (2:36.21 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में अंजलि मुंडा ने 2:53.82 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। छत्तीसगढ़ की अनुष्का भगत (2:59.33 सेकंड) ने रजत और ओडिशा की अंजलि मलिक (3:06.13 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

अतिका 'डब्ल्यूएसके' कार्टिंग में सर्वश्रेष्ठ महिला चालक बनीं

फ्रांसियाकोर्टा (इटली)। भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'डब्ल्यूएसके सुपर मास्टर्स कार्टिंग रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवें चरण के फाइनल में 53 चालकों में से आठवां स्थान हासिल किया। इस परिणाम के साथ उन्होंने इस प्रमुख कार्टिंग श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ भारतीय चालक के साथ-साथ सबसे उच्च रैंक वाली महिला के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। पांच चरणों की सीरीज में उन्होंने एक पोडियम (शीर्ष तीन में स्थान), दो सबसे तेज लैप और आठ बार शीर्ष छह में जगह बनाई। उन्होंने यहां अंतिम मुकाबले में 13वें स्थान से शुरूआत की और आठवां स्थान हासिल किया। यह उनकी दृढ़ता और तेज प्रदर्शन का स्पष्ट प्रमाण है। फ्रैंसियाकोर्टा चरण में उन्होंने पूरे सप्ताहांत में लगातार शीर्ष पांच में स्थान बनाकर अपनी प्रगति को दिखाया।

चोट और अन्य कारणों से पूरे टूर्नामेंट से बाहर हुए खिलाड़ी

इस आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे कई दिग्गज खिलाड़ी

एजेंसी ⏭ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होनी है, जिसमें कुल 10 टीमें हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। आगामी सीजन के शुरू होने से पहले सभी टीमें खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजरें बनाए हुए हैं। इसी क्रम में कुछ खिलाड़ी चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह पर दूसरे खिलाड़ियों को शामिल किया जा चुका है। इस बीच 2026 सीजन से बाहर हुए प्रमुख खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

हर्षित राणा (केकेआर)

कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा चोट के कारण बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह पर टीम ने नवदीप सैनी को शामिल किया है। राणा पिछले कुछ समय से केकेआर के प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में उनके बाहर होने से टीम को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि राणा ने पिछले 2 सीजन में केकेआर से खेलते हुए कुल 34 विकेट लिए थे।

सैम कर्रन (आरआर)

राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के ऑलराउंडर सैम कर्रन भी आगामी सीजन में नहीं खेलते दिखेंगे। दरअसल, ग्रोइन इंजरी के चलते वह इस सीजन में नहीं खेल पाएंगे। आरआर ने उनकी जगह पर श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर दासुन शनाका को शामिल किया था। कर्रन अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से मैच जिताने की काबिलियत रखते हैं। उनकी गैरमौजूदगी में शनाका के पास अच्छा मौका होगा। बता दें कि शनाका को नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था।

नाथन एलिस (सीएसके)

चेन्नई सुपरकिंग्स को आईपीएल के पूरे 2026 सीजन में अपने स्टार ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस के बिना ही खेलना होगा। इस तेज गेंदबाज को सीएसके ने आईपीएल 2025 की बड़ी नीलामी में 2 करोड़ रुपये में खरीदा था और इस साल की नीलामी से पहले रिटेन किया गया था। एलिस ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 17 मैचों में 28.73 की औसत के साथ 19 विकेट लिए थे।

आकाश दीप (केकेआर)

कोलकाता नाइट राइडर्स के आकाश दीप भी चोट के कारण आगामी सीजन से बाहर हो चुके हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने पिछले सीजन में एलएसजी से 3 विकेट लिए थे। अपने आईपीएल करियर में उन्होंने कुल 10 विकेट लिए हैं। उनकी जगह पर केकेआर की टीम ने सौरभ दुबे को शामिल किया है। सौरभ एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, जो घरेलू क्रिकेट में विदर्भ का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इजराइल का बड़ा दावा

होर्मुज बंद करने वाले ईरानी नौसेना प्रमुख की हमले में हुई मौत

ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को 'बंद' करने की दी चेतावनी

एजेंसी ▶▶ तेहरान/ तेल अवीव

ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर अलीरेजा तंगसीरी एक

हवाई हमले में मारे गए। इजराइली मीडिया ने एक अधिकारी के हवाले से यह दावा किया। हालांकि, इस हमले की न तो ईरान की तरफ से और न ही इजराइली सेना (आईडीएफ) की ओर से आधिकारिक पुष्टि की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, तंगसीसी आईआरजीसी की नौसेना के प्रमुख थे और उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 प्रतिशत तेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है।

रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से गुजरता है

सालाना करीब 94 लाख करोड़ रुपए का करोबार यहां से

ईरान की मदद कर सकते हैं हूती विद्रोही

ईरान की ओर से यूएई में दागी गई मिसाइल

अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है। यह यूरोप, एशिया और मिडिल ईस्ट को जोड़ने वाला अहम समुद्री रास्ता है। हर साल करीब 1 ट्रिलियन डॉलर (करीब 94 लाख करोड़ रुपए) का सामान इस रास्ते से गुजरता है। रोजाना लगभग 45 लाख बैरल तेल यहां से ट्रांसपोर्ट होता है। हालांकि, इसे बंद करना ईरान के लिए आसान नहीं है, क्योंकि यह स्ट्रेट ईरान से करीब 2500 किमी दूर है। हालांकि यह यमन के पास स्थित है, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोही मौजूद हैं। पहले भी गाजा युद्ध के दौरान हूती ने ड्रोन और मिसाइल से जहाजों को निशाना बनाया था, जिससे रेड सी का ट्रैफिक प्रभावित हुआ था।

ईरान ने 'ऑपरेशन टू प्रॉमिस 4' के तहत किए हमले

वहीं, आईआरजीसी और ईरानी सेना ने 'ऑपरेशन टू प्रॉमिस 4' के तहत बुधवार को कई जगह सैन्य कार्रवाई की। यह अभियान अमेरिका और इजराइल के हमलों के तुरंत बाद शुरू किया गया था। ईरानी सशस्त्र बलों ने अब तक 82 मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं, जिनमें आधुनिक हथियारों इस्तेमाल हुआ। इन हमलों में इजराइल के सैन्य ठिकाने और पश्चिम एशिया में फैले अमेरिकी सैन्य अड्डे रहे हैं। इस संघर्ष में लेबनान का हिजबुल्ला और इराक का इस्लामी रेजिस्टेंट समूह भी शामिल हो गए हैं और उन्होंने अपने दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाने का दावा किया है।

यूएन ने जताई चिंता

संघर्ष का सबसे बुरा असर गरीबों और कमजोरों पर: गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का सबसे अधिक प्रभाव सबसे गरीब और सबसे

कमजोर आबादी पर पड़ रहा है। उन्होंने युद्ध को तत्काल खत्म करने और कूटनीति के लिए एक नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया है। एक्स पर एक पोस्ट में गुटेरेस ने कहा कि संघर्ष के मानवीय परिणाम उन नागरिकों द्वारा भुगते जा रहे हैं जिनकी इस संघर्ष में कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष के झटके उन लोगों को सबसे अधिक लग रही हैं जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है: सबसे गरीब और सबसे कमजोर।

युद्ध को जल्द खत्म करें

गुटेरेस ने कहा कि होर्मुज मार्ग के बंद रहने से तेल, गैस और खाद की आपूर्ति रुक रही है, जिससे दुनिया भर में असर पड़ रहा है- खासकर खेती के समय। गुटेरेस ने अमेरिका और इजराइल से अपील की कि वे युद्ध को जल्द खत्म करें, क्योंकि इससे आम लोगों की हालत खराब हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी भारी असर पड़ रहा है। साथ ही उन्होंने ईरान से भी कहा कि वह अपने पड़ोसी देशों पर हमले बंद करे।

होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से शुल्क वसूल रहा है ईरान!

आरोप है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूल रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ जहाजों से प्रति यात्रा करीब 20 लाख डॉलर तक का शुल्क मांगा जा रहा है। यह वसूली किसी तय नियम के तहत नहीं, बल्कि अलग-अलग मामलों में की जा रही है। कुछ जहाजों ने यह भुगतान भी किया है, हालांकि भुगतान की प्रक्रिया और मुद्रा को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं है। सूत्रों का कहना है कि ईरान भविष्य में इस शुल्क को आधिकारिक रूप देने की योजना बना सकता है। हाल ही में वहां के एक सांसद ने प्रस्ताव दिया था कि जो देश इस मार्ग का इस्तेमाल करें, उनसे शुल्क लिया जाए। अगर ऐसा होता है तो यह वैश्विक व्यापार के लिए बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

लेबनान से शुरू करेंगे बफर जोन बढ़ाने की योजना: इजराइल

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान की सीमा पर देश के बफर जोन को बढ़ाने की योजनाओं का ऐलान किया है। नेतन्याहू ने बफर जोन बढ़ाने के इन उपायों

के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये हर मायने में सीमाओं को तोड़ने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करते हैं। इजराइल सरकार इन कार्रवाइयों के माध्यम से क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। बता दें, बफर जोन वह क्षेत्र होता है जो दो विरोधी देशों, सेनाओं या विवादित सीमाओं के बीच बनाया जाता है।

इजराइली सेना दिखा रही ताकत, लेबनान में 2 की मौत, 8 घायल

दक्षिणी लेबनान के नबातियेह जिले के हारूफ कस्बे में इजराइल के हवाई हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 8 अन्य घायल हुए। हमले के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। इससे पहले दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमलों में 3 लोगों की मौत और 11 घायल हुए थे। वहीं, इजराइली सेना ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में चल रहे उसके अभियान के दौरान एक सैनिक शहीद हो गया है। सेना ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि गोलानी ब्रिगेड के 21 वर्षीय सैनिक ओरी ग्रीनबर्ग शहीद हो गए।

ईरान के हमले से अबू धाबी में 2 की मौत

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि देश में मिसाइल और ड्रोन हमलों की कोशिशें की जा रही हैं। एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी हमलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और सतर्क रहने की अपील की है। अबू धाबी में एक मिसाइल हमले को नाकाम कर दिया गया। हालांकि, मिसाइल का मलबा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।

ईरान पर जारी हमले में दो किशोरों की मौत

बुधवार शाम को शिराज क्षेत्र के काफ्री गांव में एक आवासीय क्षेत्र पर अमेरिकी-इजराइली हमले में दो किशोर लड़कों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लड़कों की पहचान इल्या और अमीर हुसैन शराफी के रूप में हुई है। ईरान के दक्षिण-पश्चिमी फार्स प्रांत स्थित लमर्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अमेरिकी और इजराइली हमले में प्रोजेक्टाइल गिरे। इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और नुकसान सीमित है। इससे पहले लमर्ड क्षेत्र में हुए हमलों में नागरिक हताहत हुए थे, जिससे इलाके की संवेदनशीलता बढ़ गई है।

ट्रंप का नई युद्धनीति

ईरान में उतर सकती है 82वीं एयरबोर्न डिवीजन टुकड़ी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका अपनी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को भी ईरान में उतारने की तैयारी कर रहा है, ताकि संघर्ष में अपने कुछ लक्ष्यों को तुरंत पूरा किया जा सके। इस डिवीजन के कुछ हिस्से को क्षेत्र में तैनात किया जा सकता है। अमेरिका खर्ग द्वीप पर संभावित जमीनी हमले पर विचार कर रहा है। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को दुनियामर में अपनी तेजी के लिए जाना जाता है।

आदेश मिलने के महज 18 घंटे के अंदर यह डिवीजन अपने लगभग 3,000 सैनिकों यानी एक पूरी ब्रिगेड को दुनिया में कहीं भी तैनात करने में सक्षम है। इसकी भूमिका पारंपरिक सैन्य बलों से भी अलग होती है और आमतौर पर आपात स्थिति में ही इन्हें तैनात किया जाता है। इनका काम सबसे पहले घुसकर शुरुआती अनिश्चित माहौल को स्थिर करना और पीछे से आ रही भारी सेना (जैसे मरीन या बख्तरबंद बल) के लिए सुरक्षित रास्ता बनाना होता है। इसके सैनिक पैदल सेना को मिलने वाले मानक हथियारों, टैंक-रोधी प्रणाली और पोर्टेबल संचार उपकरणों से लैस होते हैं।

जमीनी हमला किया तो गंभीर नतीजे होंगे

आईआरजीसी ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी भी दी कि अगर ईरान की जमीन पर जमीनी हमला किया गया, तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। बयान में कहा गया कि नेतन्याहू और ट्रंप के बहकावे में आकर अपने बच्चों को जंग में न भेजें, क्योंकि हमला करने वाले सैनिक ईरान की जनता के बीच घिर जाएंगे और मारे जाएंगे। आईआरजीसी ने अमेरिकी लोगों से सीधे अपील करते हुए कहा कि उन्हें झूठ और गलत जानकारी के जरिये गुमराह किया जा रहा है। इस जंग की सच्चाई अमेरिका में पेट्रोल पंपों, ईरान की सड़कों और तेल अवीव व हाइफा के आसमान में देखी जा सकती है।

युद्ध लक्ष्य में अमेरिका फेल: अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने प्रमुख युद्ध लक्ष्यों में विफल रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका न तो तेज सैन्य जीत हासिल कर पाया और न ही तेहरान में शासन परिवर्तन ला सका।

अराघची ने ईरान के पड़ोसी देशों से अमेरिका से दूरी बनाने का आग्रह किया और कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया ने पूरी दुनिया को दिखा दिया कि कोई भी देश इसकी सुरक्षा को धमकी नहीं दे सकता।

ट्रंप ने ईरान को समझौते की दी धमकी, कहा- जल्द फैसला लें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द गंभीर होकर फैसला लेना होगा, वरना हालात ऐसे हो जाएंगे जहां से वापसी संभव नहीं होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरान के वार्ताकार अजीब हैं और समझौते के लिए भीख मांग रहे हैं, लेकिन सार्वजनिक तौर पर इनकार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई के बाद ईरान सैन्य रूप से कमजोर हो चुका है और उसके पास वापसी का कोई मौका नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान ने जल्द फैसला नहीं लिया तो वापसी का रास्ता बंद हो जाएगा।

अमेरिका को नाटो की जरूरत नहीं

ट्रंप ने कहा कि इस संकट के समय नाटो देशों ने

अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नाटो देश ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल नहीं हुए और केवल तेल की कीमतों को लेकर शिकायत करते रहे। उन्होंने कहा कि अमेरिका को नाटो की जरूरत नहीं है और सहयोगी देशों को इस समय को कभी नहीं भूलना चाहिए।

खबर संक्षेप

डेनमार्क के पीएम का हार के बाद इस्तीफा

नई दिल्ली। डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन ने चुनाव में हार के बाद इस्तीफा दे दिया है। चुनाव

में उनकी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी को सिर्फ 38 सीटें ही मिलीं। वह जून 2019 में डेनमार्क की पीएम बनीं और 2022 में दोबारा जीत हासिल की। मेटे 41 साल की उम्र में पद संभालने वाली देश की सबसे कम उम्र की पीएम बनी थीं। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने अड़ गई थीं।

क्रिप्टो के जरिए हारिश को कर रहे थे टेरर फंडिंग

मुरादाबाद। संदिग्ध आतंकी हारिश मुरादाबाद समेत पश्चिम यूपी

के कई शिक्षण संस्थानों में अपना नेटवर्क खड़ा कर रहा था। वह आकाओं से मिले निर्देश पर शिक्षण संस्थानों के छात्रों को अपने साथ जोड़ रहा था। हारिश टेरर फंडिंग के लिए क्रिप्टो करेंसी के जरिये रकम जुटा रहा था। बीते दो वर्षों के दौरान हारिश और उसके करीबियों के बैंक खातों में क्रिप्टो करेंसी के जरिए लाखों रुपए भेजे गए थे। एटीएस पूछताछ में खुलासा हुआ है। यह बात एटीएस की पूछताछ में सामने आई है।

बांग्लादेश में दर्दनाक हादसा

बस के नदी में गिरने से 24 लोगों की मौत, इनमें 11 महिलाएं और 5 बच्चे भी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश में एक बस के परिवहन नौका पर चढ़ने की कोशिश के दौरान नदी में गिर जाने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बस दक्षिण-पश्चिमी राजबारी जिले में दौलाडिया टर्मिनल पर बुधवार शाम करीब सवा पांच बजे पद्मा नदी में गिर गई। ढाका जा रही इस बस में बच्चों समेत करीब 40 यात्री सवार थे स्थानीय अग्निशमन सेवा के

नदी में गिर गई बस

अधिकारियों के अनुसार, 24 शव बरामद किए गए हैं। बस के अंदर से 11 महिलाओं, 6 पुरुषों और 5 बच्चों समेत 22 लोगों के शव मिले। दमकल सेवा के अधिकारी सोहेल राणा ने कहा कि हमजा (बचाव पोत) ने क्रेन की मदद से बस को बाहर निकाला।

पीएमओ ने हताहतों के लिए मुआवजे का किया ऐलान

आंध्र प्रदेश में बड़ा बस हादसा

ट्रक से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 14 की मौत, 20 लोग घायल

एजेंसी ▶▶ मार्कपुरम

आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले के रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में स्लैब खदानों के पास एक निजी ट्रैवल बस की ट्रक से टक्कर हो गई, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है।

यह दुर्घटना उस समय हुई जब बस जगित्याला से कालिगिरी जा रही थी। टक्कर के बाद बस में आग

जलती हुई बस

लग गई और वह पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। आशंका है कि इस घटना में कई यात्री जिंदा जल गए हैं। हादसा गुरुवार की सुबह हुआ। शुरुआती जांच में सामने आया है कि भीषण टक्कर की वजह से ही बस में आग लग गई थी। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं, शवों की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर शोक जताया।

पीड़ितों की सहायता के लिए विभिन्न स्थानों पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं और हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने हादसे में मारे गए लोगों के लिए दुख जताते हुए मुआवजे का ऐलान किया।

ईद पर 5 दिन का सीजफायर खत्म

अफगानिस्तान-पाक में फिर झड़प 2 की मौत, सेना की चौकियां ध्वस्त

17 मार्च को हुआ था हमला फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ काबुल

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर अस्थायी युद्धविराम खत्म होने के बाद बुधवार को एक बार फिर हमले शुरू हो गए। इस संघर्ष में अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में कम से कम दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में सूचना और संस्कृति विभाग के प्रवक्ता जिया-उर-रहमान स्पिंगहर ने बताया कि मुस्लिमों के त्योहार ईद-उल-फितर से पहले दोनों पक्षों ने संक्षिप्त संघर्षविराम की घोषणा की थी। इसके खत्म होते ही पाकिस्तानी बलों ने नराई और सरकानो जिलों में दर्जनों तोप के गोले दागे, जिससे दो नागरिकों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए, जिसके बाद अफगान सीमा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। स्पिंगहर ने दावा किया कि उन्होंने पाकिस्तान की तीन सैन्य चौकियों को तबाह कर दिया और एक व्यक्ति को मार गिराया। हालांकि, उनके दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

पाक ने कई क्षेत्रों में की गोलाबारी

इस बीच, उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान के एक स्थानीय अधिकारी ने अफगान बलों पर कई क्षेत्रों में गोलीबारी शुरू करने का आरोप लगाया। बता दें, सऊदी अरब, तुर्किये और कतर के अनुरोध पर अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों पर रोक को लेकर दोनों पक्षों के सहमति जताने के करीब एक सप्ताह बाद ये हमले हुए हैं। इससे पहले 17 मार्च की रात पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले किए थे। हमलों में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोग मारे गए। हालांकि पाकिस्तान ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार करते हुए कहा कि हमला गोला-बारूद के भंडार पर था।

हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल का ऐतिहासिक पल गवाह बना

श्रीनगर के रघुनाथ मंदिर में 36 साल बाद राम नवमी पूजा

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में स्थित रघुनाथ मंदिर गुरुवार को एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब 36 वर्ष बाद इस सौ साल पुराने मंदिर में राम नवमी की पहली पूजा आयोजित की। इस खास अवसर पर न सिर्फ हिंदू श्रद्धालु जुटे, बल्कि उनके मुस्लिम पड़ोसी भी साथ खड़े नजर आए, जिससे माहौल भाईचारे और सौहार्द से भर उठा। हालांकि, मंदिर में अभी मरम्मत और पुनर्निर्माण का काम जारी है, फिर भी मंदिर प्रबंधन समिति ने इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए पूजा का आयोजन किया। राम नवमी के अवसर पर शहर के अन्य मंदिरों, जैसे शंकराचार्य मंदिर में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान पर्यटकों और सुरक्षा बलों ने भी स्थानीय हिंदू समुदाय के साथ मिलकर उत्सव में भाग लिया।

रघुनाथ मंदिर

दान से पुनर्निर्माण में सहयोग

समिति के महासचिव सुनील कुमार ने बताया कि 36 साल बाद यहां राम नवमी की पूजा हो रही है। हममें से कुछ लोग जम्मू से आए हैं, लेकिन देश-विदेश से कई लोगों ने दान देकर मंदिर के पुनर्निर्माण में सहयोग किया है। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण अभी मूर्ति स्थापना नहीं हो सकी है।

कश्मीरी मुसलमानों का साथ जरूरी

कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के सवाल पर सुनील कुमार ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं है, जब तक कश्मीरी मुस्लिम समुदाय का सहयोग न मिले। उन्होंने कहा, "सरकार हमें एक साल में बसाकर पुनर्वास कर सकती है, लेकिन हमारी वापसी के लिए कश्मीरी मुसलमानों का साथ जरूरी है। इस अवसर पर स्थानीय मुस्लिम निवासी गुलाम हसन भी मंदिर पहुंचे और उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडित और मुसलमान भाई-भाई हैं। हम दशकों से साथ रहते आए हैं।

वैष्णो देवी मंदिर में 2.69 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान 2.69 लाख से

अधिक श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर में प्रार्थना की। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि 25 मार्च तक 2,69,716 श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। हालांकि, यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। नवरात्र के पहले दिन 19 मार्च को 31,815 श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए, जबकि 20 मार्च को 34,805, 21 मार्च को 41,078, 22 मार्च को 43,482, 23 मार्च को 45,478, 24 मार्च को 38,158 और 25 मार्च को 34,900 श्रद्धालुओं ने मंदिर का दौरा किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com